डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

PG-5

PG-8

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाः 'तुम्हारा मजाक बनाया गया',अभिषेक को बेस्ट एक्टर चुने जाने पर भावुक हुए बिग बी

वर्ष -08 अंक -250 | प्रयागराज शनिवार, 24 दिसंबर, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

चीन के मुद्दे पर राज्यसभा अध्यक्ष की बात मानें कांग्रेस नेता

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को राज्यसभा में हंगामा करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधा है। पत्रकारों से बात करते हुए, जोशी ने कहा कि कांग्रेस संसद में हंगामे कर रहे हैं, जब्कि उनके शासन में ही चीन ने देश की जमीन पर कब्जा कर लिया था। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, उन्होंने कहा, 'सभापति ने हाथ जोड़कर विपक्ष से हंगामा न करने के लिए अनुरोध किया। इसके बाद भी उन्होंने विपक्ष के नेता और सदन के नेता से इस मुद्दे पर चर्चा करने का अनुरोध

किया,लेकिन विपक्ष ने पूरी तरह से सभापति की बात को नकार दिया।' जोशी ने आगे कहा कि गतिरोध दूर करने के प्रयास में राज्यसभा अध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने सुझाव दिया था कि चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'चीन (जब कांग्रेस सत्ता में थी) के हाथों अपनी जमीन गंवाने के बावजूद कांग्रस इस मामले पर राज्यसभा अध्यक्ष की बात को नकार रही है। मैं कांग्रेस के नेताओं से उनसे अपने व्यवहार में सुधार करने की अपील करता हूं। उन्होंने इस देश में 60 साल तक राज किया है।' प्रह्लाद जोशी ने आगे कहा, 'लोगों ने नरेंद्र मोदी सरकार को जनादेश दिया है और इसका सम्मान किया जाना चाहिए।इसके अलावा देश में फैल कोरोना वायरस की आहट के मद्देनजर जोशी ने कहा कि अध्यक्ष और सभापति ने सदस्यों से अनुरोध किया कि कोरोना से बचने के लिए चेहरे पर मास्क पहनें और कार्यवाही में भाग लें। उन्होंने कहा कि जब वे (कांग्रेस नेता) वेल में विरोध कर रहे थे तो उस दौरान विपक्ष के नेता ने भी मास्क नहीं पहना था। बता दें कि धनखड़ ने गुरुवार को सांसदों से दुनिया में कोविड-19 के मामलों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर मास्क पहनने और सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करने को कहा और कहा कि सदन को उदाहरण के तौर पर देश का नेतृत्व करने की जरूरत है।

'भारत की स्थिति चीन की तुलना में बहुत बेहतर'

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। चीन समेत दुनिया के कई देशों में कोरोना की रफ्तार को देखते हुए सरकार भी अलर्ट हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख

मांडविया ने बुधवार को महामारी की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में फैसला हुआ कि अब हर हफ्ते कोरोना के हालात की समीक्षा की जाएगी। इन सबके बीच पूर्व प्रमुख ने भी कोरोना के नए मामलों को लेकर चेतावनी जारी की है। के पूर्व निदेशक रणदीप गुलेरिया ने हाई रिस्क वाले समूहों से जल्द से जल्द बूस्टर खुराक लेने को कहा है। उन्होंने कहा कि सर्दियों में वायरल संक्रमण बढ़ जाता है। ऐसे में हाई रिस्क वाले लोगों को बेहतर देखभाल की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हाई रिस्क वाले लोगों को संक्रमण से दूर रखने के लिए बूस्टर डोज अत्यधिक महत्वपूर्ण है। मालूम हो कि डॉक्टर रणदीप गुलेरिया फिलहाल गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनल मेडिसिन एंड रेस्पिरेटरी एंड स्लीप मेडिसिन एंड डायरेक्टर के चेयरमैन हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या आने वाले महीनों में बीजिंग में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामले भारत को भी प्रभावित कर सकता है गुलेरिया ने जोर देकर कहा कि भारत की स्थिति चीन की तुलना में बहुत बेहतर है। हालांकि, लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 'भारत में टेस्टिंग में कमी आई है। सर्दी में लोग इसे वायरल फ्लू समझकर टेस्ट नहीं करा रहे हैं। अगर और टेस्ट होंगे तो वायरस के म्यूटेशन का पता चल जाएगा।'चीन में बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए भारत अलर्ट पर है । कोरोना को लेकर क्या सावधानी बरती जाए इसपर के पूर्व निदेशक रणदीप गुलेरिया ने कई सवालों के जवाब दिए हैं क्या हम आने वाले दिनों में अधिक मामले देखने जा रहे हैं या हम अस्पताल में भर्ती होने और मौतों की लहर देखने जा रहे हैं डॉ. गुलेरिया ने कहा, 'हमारी प्रतिरोधक क्षमता अधिक है और इस वैरिएंट से डेल्टा वेव की तरह निमोनिया नहीं होता है, इसलिए मुझे लगता है कि हम हल्की बीमारियों में वृद्धि देख सकते हैं, लेकिन अस्पताल में भर्ती होने या मौतों में नहीं।क्या भारत के लोगों के लिए चौथा टीका शॉट अनिवार्य किया जाना चाहिए गुलेरिया ने कहा- 'यह ऐसा कुछ है जिस पर हमें अधिक डेटा चाहिए।

जब कॉरपोरेट लोन के नाम पर बैंकों में हुई लूट तब सो रहे थे चौकीदार

(आधुनिक समाचार सेवा)

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारूढ़ पार्टी बीआरएस की एमएलसी के.

कविता ने एनडीए सरकार पर किसान विरोधी और कारपोरेट समर्थक होने का आरोप लगाया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी कविता ने कहा कि जब उद्योगपति कारपोरेट लोन के नाम पर बैंकों में जमा आम जनता का पैसा लूट रहे थे, तब खुद को चौकीदार बताने वाली भाजपा सोई हुई थी। केंद्र सरकार के राज्यसभा में हाल ही में दिए एक जवाब का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि देश में उद्योगपतियों के 19 लाख 40 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के ऋण माफ कर दिए गए हैं।

'स्वास्थ्य मंत्री के राहुल गांधी को पत्र की क्रोनोलॉजी समझनी होगी'

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। चीन में कोरोना केस बढ़ने के साथ ही भारत में भी अब सतर्कता बढ़ाई जा रही है। केंद्र की मोदी सरकार समेत कई राज्य सरकारें कोरोना पर आपात

बैठक बुला रही हैं। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया द्वारा राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा को लेकर लिखे गए पत्र के बाद राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा भारत जोड़ो यात्रा से डरकर ये पत्र लिख रही है। इसी को लेकर अब कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने हमला बोला है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भाजपा की केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि ये पत्र केवल राजनीतिक कारण से भेजा गया है। उन्होंने कहा कि ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट ँइ.7 के मामले जुलाई, सितंबर और नवंबर में गुजरात और ओडिशा में मिले थे लेकिन ये पत्र अब लिखा गया। कांग्रेस नेता ने पूछा कि क्या चुनावों में कोई कोरोना प्रोटोकोल का पालन हुआ था। जयराम रमेश ने इसी के साथ कहा कि एक दिन पहले मंत्री पत्र लिखते हैं और पीएम आज स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। भारतजोड़ोयात्रा एक दिन बाद दिल्ली में प्रवेश करेगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि अब आप सभी को इसी क्रोनोलॉजी को समझना होगा। जयराम रमेश ने आगे कहा कि गुजरात और हिमाचल चुनाव से पहले ही कोरोना के नए सब वेरिएंट की एंट्री भारत में हो चुकी थी, लेकिन केंद्र ने भाजपा की रैलियां होने दी और भाजपा नेताओं को कोई भी रैली आयोजित करने को लेकर पत्र नहीं लिखा।

राहुल गांधी ने हरियाणा के सोहना से शुरू की भारत जोड़ो यात्रा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा हरियाणा के सोहना के खेरली लाला से शुरू हुई। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की लाला खेड़ली गांव के पास से फरीदाबाद

में प्रवेश के लिए शुरू हुई। बता दें कि लाला खेड़ली गांव फर्रुखाबाद गुरुग्राम सीमा पर गुरुग्राम का अंतिम गांव है। पुलिस ने यात्रा के दौरान उनकी सुरक्षा के लिए सभी पुख्ता इंतजाम वि इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को भारत जोड़ो यात्रा को रोकने के बहाने बनाने के लिए सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार भारत की सच्चाई से डर गई है। 'यह उनका (बीजेपी का) नया विचार है, उन्होंने मुझे एक पत्र लिखा है जिसमें कहा गया है कि कोविड आ रहा है और यात्रा रोक दें। राहुल गांधी ने गुरुवार को हरियाणा के नूंह में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, ये सभी इस यात्रा को रोकने के बहाने हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लिखे पत्र में उनसे पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कोविड-19 दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा है। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कांग्रेस पार्टी को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कोरोना के नियमों का पालन करने के लिए एक पत्र लिखा था। जिसके बाद कांग्रेस ने भी उस पत्र को लेकर मांडविया पर निशाना साधा था। पार्टी का इशारा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लिखे गए पत्र की ओर था। इस पत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कोविड की नई चिंता को लेकर राहुल से उनकी भारत जोड़ो यात्रा पर पुनर्विचार का आग्रह किया था। पीएम मोदी ने देश में कोरोना की स्थिति पर विचार के लिए एक अहम बैठक की है। इस बैठक से चंद घंटे पहले कांग्रेस ने यह ताना कसा। कांग्रेस ने कहा, 'आप क्रोनोलाजी समझिए कि ओमिक्रोन के सब-वैरिएंट बीएफ-7 के मामले कुछ महीने पहले सामने आ गए थे, लेकिन पीएम की यह बैठक उस वक्त हो रही है जब 'भारत जोड़ो यात्रा' दिल्ली पहुंचने वाली है।

कोरोना को लेकर सतर्क हुई भारत सरकार, मनसुख मांडविया ने की राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। चीन में लगातार बढ़ रहे कोरोना मामलों को देखते हुए भारत सरकार भी सतर्क हो गई है। वहीं, आज दोपहर 3 बजे

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ कोविड-19 की स्थिति और तैयारियों को लेकर बैठक करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ण्ध्न्क्3-19 के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया की स्थिति और तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और जीनोम सीक्वेंसिंग और टेस्टिंग में बढ़ोतरी पर ध्यान देने के साथ मजबूत निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया।पीएम मोदी ने लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनने का आग्रह किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से 24 दिसंबर से हवाई अड्डों पर प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय उड़ान में आने वाले यात्रियों में से दो प्रतिशत के आगमन के बाद के कोविड परीक्षण को सुनिश्चित करने के लिए कहा, ताकि देश में कोरोनावायरस के किसी भी नए संस्करण के प्रवेश के जोखिम को कम किया जा सके। वहीं, कोरोना की आशंका के बीच राज्य सरकारें भी सतर्क हो गई हैं। अधिकारी बैठकें कर इससे बचाव की रणनीति बनाने में जुट गए हैं। इसके साथ ही कोरोना जांच तेज करने के लिए आदेश दिए गए हैं। संक्रमण से बचाव के लिए गाइडलाइन भी जारी की गई हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कई देशों में मामलों में वृद्धि का कारण बन रहे कोरोना वायरस के नए ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट ँइ.7 का अभी तक राष्ट्रीय राजधानी में पता नहीं चला है और उन्होंने कहा कि उनकी सरकार किसी भी घटना से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

रक्षा खरीद परिषद ने सेनाओं के लिए 84,328 करोड़ रुपए के खरीद प्रस्तावों को दी मंजूरी

नई दिल्ली, जागरण ब्यूरो। स्वदेशी रक्षा क्षेत्र को मजबूती देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र सेनाओं और भारतीय तटरक्षक बल के लिए 84,328 करोड़ रुपए के 24 पूंजीगत रक्षा खरीद के प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की

स्वीकृति को मंजूरी दी है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने गुरूवार को हुई अपनी बैठक में इन प्रस्तावों की आवश्यकता को अपनी स्वीकृति प्रदान की। खरीद के इन प्रस्तावों में थल सेना के लिए छह, भारतीय वायु सेना के लिए छह, नौसेना के लिए 10 और भारतीय तटरक्षक बल के लिए दो प्रस्ताव शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस बड़ी खरीद में स्वदेशी स्त्रोतों से खरीद के लिए 82,127 करोड़ रुपये (97.4 प्रतिश) के 21 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। रक्षा अधिग्रहण परिषद की यह अभूतपूर्व पहल न केवल सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण करेगी, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को साकार करने के लिए रक्षा उद्योग को भी पर्याप्त बढ़ावा देगी।

जगदीप धनखड़ ने कहा 'न्यायपालिका को कमतर करने की कोशिश' संबंधी सोनिया गांधी की टिप्पणी को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को न्यायापालिका और सरकार के संबंध में संप्रग अध्यक्ष सोनिया गांधी के बयान को पूरी तरह से अनुचित बताते हुए राजनीतिक दलों के नेताओं से आग्रह किया कि वे उच्च संवैधानिक

पदों पर आसीन लोगों पर पक्षपात करने का आरोप नहीं लगाएं। धनखड़ ने कहा कि संप्रग अध्यक्ष का बयान उनके विचारों से पूरी तरह से भिन्न है और न्यायपालिका को कमतर करना उनकी सोच से परे है। सभापति ने कहा कि संप्रग अध्यक्ष का बयान पूरी तरह अनुचित है और लोकतंत्र में उनके विश्वास की कमी का संकेत देता है। सोनिया कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख भी हैं और उन्होंने बुधवार को पार्टी संसदीय दल की बैठक में आरोप लगाया कि केंद्र सरकार सुनियोजित ढंग से न्यायपालिका के प्राधिकार को कमजोर करने का प्रयास कर रही है, जो बहुत ही परेशान करने वाला घटनाक्रम है। संप्रग अध्यक्ष ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह जनता की नजर में न्यायपालिका की स्थिति को कमतर बनाने का प्रयास कर रही है। धनखड़ ने उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया से संबंधित राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग कानून को रद्द किए जाने को लेकर पिछले दिनों न्यायपालिका की आलोचना की थी और इसे 'संसदीय संप्रभुता से समझौते' का उदाहरण बताया था।बता दें कि कुछ दिनों पहले केंद्रीय कानून मंत्री किरन रिजिजू ने अदालतों में मुकदमो के बढ़ते ढेर को निपटाने के प्रयास और न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित सवाल का जवाब देते हुए राज्यसभा में कहा कि न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर जबतक हम नयी व्यवस्था खड़ी नहीं करेंगे, तबतक न्यायाधीशों की रिक्तियों का मुद्दा और नियुक्तियों का सवाल उठता ही रहेगा।

पटरी पर लौटेगा विश्वविद्यालयों का लड़खड़ाया शैक्षणिक सत्र, तैयारी तेज

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कोरोना के चलते विश्वविद्यालयों के लड़खड़ाए शैक्षणिक सत्र को पटरी पर लाने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

(यूजीसी) ने निर्देश दिए है। इसके तहत जुलाई 2023 अंत तक सभी संस्थानों को अपनी दाखिले की प्रक्रिया को पूरा करने और एक अगस्त से पढ़ाई शुरू करने को कहा है। खासबात यह है कि यूजीसी ने विश्वविद्यालयों को यह निर्देश तब दिया है, जब हाल ही में विश्वविद्यालयों के स्नातक कोर्सों में दाखिले के आयोजित होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी-यूजी) की तारीखें घोषित कर दी गई है। यह परीक्षा 21 मई से 31 मई के बीच आयोजित होगी। यूजीसी ने साफ किया है कि सीयूईटी यूजी के लिए आवेदन की प्रक्रिया भी फरवरी के पहले हफ्ते से शुरू हो जाएगी। विश्वविद्यालयों के परास्नातक(पीजी) कोर्सों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली सीयूईटी-पीजी का आयोजन जुलाई के पहले हफ्ते में होगा। शैक्षणिक सत्र को नियमित करने में जुटे आयोग ने सीयूईटी-यूजी का रिजल्ट भी जून 2023 के तीसरे हफ्ते में और सीयूईटी- पीजी का रिजल्ट जुलाई-2023 के पहले हफ्ते तक घोषित करने का ऐलान किया है। यूजीसी ने विश्वविद्यालयों को यह निर्देश उस समय दिया है, जब देश के लगभग सभी विश्वविद्यालयों का शैक्षणिक सत्र पटरी से उतरा हुआ है। जुलाई तक पूरी होने वाली दाखिले की प्रक्रिया अभी भी दिल्ली विश्वविद्यालय सहित देश के कई विश्वविद्यालयों में चल ही रही है। मौजूदा समय में देश में करीब एक हजार विश्वविद्यालय है, इनमें से करीब 49 केंद्रीय विश्वविद्यालय है। सीयूईटी के पिछले आयोजन में मची अफरा-तफरी के बाद नेशनल टे□स्टग एजेंसी (एनटीए) इस बार सीयूईटी व दूसरी प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन की तैयारी को काफी चुस्त-दुरूस्त बनाने में जुटी है। इसके लिए इस बार देश भर में करीब एक हजार परीक्षा केंद्रों को चिन्हित किया जा रहा है, ताकि परीक्षा को बगैर किसी रोकटोक के संचालित किया जा सके। एनटीए से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक वैसे तो सीयूईटी के लिए हर दिन करीब 450 से 500 परीक्षा केंद्रों की ही जरूरत रहेगी, लेकिन अंतिम समय में किसी परीक्षा केंद्र में दिक्कत दिखने पर तुरंत ही छात्रों को उसी शहर में दूसरा विकल्प भी मुहैया कराया जाएगा।

पीयूष गोयल ने वापस लिया अपना बयान, कहा-बिहार या वहां के लोगों के अपमान का कोई इरादा नहीं

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बिहार को लेकर दिए अपने बयान को केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को वापस ले लिया। उन्होंने सदन में आज कहा

कि उनका इरादा बिहार अथवा वहां के लोगों के अपमान का नहीं है। अगर उनके इस बयान से किसी की भावना को ठेस पहुंची है तो तुरंत उसे वापस लेता हूं। दरअसल, गोयल एक चर्चा के दौरान कहा था 'इनका बस चले तो पूरे देश को बिहार बना देंगे। विपक्षी दलों ने सुबह गांधा प्रतिमा पर किया विरोध प्रदर्शन उनके इस बयान से विपक्षी दलों ने नाराजगी जताते हुए गांधी प्रतिमा पर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन करने वाले दलों में कांग्रेस, राजद, जनता दल (यू), वामपंथी दल, शिवसेना समेत कई पार्टियां प्रमुख थीं। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी भाग लिया। नारेबाजी करते हुए उन्होंने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से माफी की मांग की। अपने बयान पर बढ़ते विवाद को देखते हुए बिना किसी विलंब के इसे वापस ले लिया।सुबह सदन के बैठते ही राजद नेता मनोज झा ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को पत्र सौंपकर भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री के बयान पर अपनी नाराजगी जताते हुए उनसे माफी की मांग की। सदन के नेता व वाणिज्य मंत्री गोयल ने तत्काल अपना बयान वापस लेते हुए स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी का अपमान करना नहीं है। संसद के इस शीतकालीन सत्र में दोनों सदनों में चीन और महंगाई सहित कई मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हंगामा हो रहा है। विपक्षी पार्टियां लगातार सरकार से चीन के मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रही है। गुरुवार को भी चीनी घुसपैठ पर चर्चा के लिए कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन ने राज्यसभा में नोटिस दिया। राज्यसभा के चेयरमैन ने विपक्षी सांसदों की तरफ से दिए गए चीन के मुद्दे पर स्थगन के सभी 12 नोटिसों को नामंजूर कर दिया। राज्यसभा में चीनी अतिक्रमण पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया और वेल में पहुंच गए।

जनपद में ब्रिटिश हुकूमत के दौरान कई ऐसे निर्माण हुए

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । है जो मिसाल बनकर आज भी मजबूती के साथ खड़े है, इसकी गवाही फाफामऊ में गंगा नदी पर बना पुराना पुल दे रहा है, अंग्रेजों के द्वारा 20 दिसंबर 1905 को इस पुल पर आवागमन शुरू कराया गया फाफामऊ और तेलियरगंज के बीच नाव के माध्यम से ही लोग गंगा नदी पार करते थे। लगभग 1.5 व्स् लंबे इस पुल को बनाने के लिए साल 1901 में स्वीकृति मिली थी यह 15 जून को रेलवे के लिए और 20 दिसंबर 1905 को सड़क हैं, जानकार बताते हैं कि ट्रैफिक बढ़ जाने पर सरकार ने बगल में दूसरे पुल का निर्माण करा दिया है जिससे अब आवागमन होता है। बताया जाता है कि जब इस पुल पर आवागमन होता था तो एक तरफ से गाड़ियां छोड़ी

था। जानकारी के लिए बतादें कि गंगा नदी पर बना यह लॉर्ड कर्जन पुल लगभग 117 वर्ष का हो चुका है, इस पर नीचे ट्रेन जाती थी तो ऊपर वाहनों का आवागमन होता था, यह पुल रेलवे का है 20 दिसंबर 1905 को इस पुल पर आवागमन शुरू हुआ था, साल 1905 से पहले उत्तर दिशा से शहर में प्रवेश के लिए कोई सड़क मार्ग नहीं था यातायात के लिए खोला गया था, अंग्रेज इंजीनियर रॉबर्ट रिचर्ड गेल्स इस पुल के इंचार्ज हुआ करते थे। यह ब्रिज दो तल में बना है इसके ऊपरी हिस्से पर वाहन गुजरते हैं जबकि नीचे से रेलवे की ब्रॉडगेज लाइन गुजरती है यह ब्रिज तेलियरगंज से फाफामऊ को जोड़ता है लेकिन अभी दोनों तल बन्द कर दिए गए जाती थी तो दूसरी तरफ से गाड़ियां को रोक दिया जाता था, समय की मार के चलते इसे इंजीनियरों ने कमजोर घोषित कर दिया है जिसके चलते इस पर आवागमन पूरी तरह से बंद कर दिया गया, गंगा नदी के बीचो-बीच सीना तान कर खड़ा है, जो ब्रिटिश हुकूमत की यादों को ताजा कर रहा है।

गुलदाउदी व कोलियस फूलों की प्रदर्शनी आजाद पार्क में 29 और 30 दिसम्बर को

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । चन्द्रशेखर आजाद पार्क के बैण्ड स्टैण्ड पर 29 और 30 दिसम्बर को गुलदाउदी व कोलियस फूलों की प्रदर्शनी जायेगी। इच्छुक व्यक्ति अपने गमलों को 28 दिसंबर को एन्ट्रीफार्म भरकर, गेट संख्या 6 से ला सकते हैं। एन्ट्री फार्म एवं नियमावली के लिए

लगेगी। पार्क अधीक्षक के अनुसार बागवानी को बढ़ावा देने के लिए प्रदर्शनी का आयोजन कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कोई भी इच्छुक व्यक्ति या संस्था प्रदर्शनी में भाग ले सकता हैं। प्रदर्शनी में लगने वाले गमलों की कोई एंट्री फीस नहीं ली 9125181183, 9140081952 व 9455457300 पर सम्पर्क किया जा सकता है। किसी प्रकार की अन्य जानकारी हेतु कार्यालय अधीक्षक राजकीय उद्यान चन्द्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज से सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रतियोगिताओ में भाग लेकर अपनी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । 25 वीं केसरवानी वैश्य साहित्य , कला, विज्ञान प्रतियोगिता के प्रथम दिन आज लगभग 600

बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओ में भाग लेकर अपनी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया । केसरवानी वैश्य सभा प्रयागराज के तत्वाधान में आज प्रथम दिन केसरवानी वैश्य धर्मशाला बहादुरगंज में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रातः 11:00 बजे सभा के अध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता मुन्नू बाबू ने दीप प्रज्ज्वलन करके तथा बच्चों के द्वारा सरस्वती पूजन एवम वन्दना करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात किशोर ए किशोर बी युवा वर्ग में प्रतिभाग कर रहे बच्चों ने चित्रकला , निबंध , विज्ञान क्विज लिखित , सामान्य ज्ञान लिखित में भाग लेकर अपनी अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया । इसके बाद दूसरी पाली में भारत की पांच महान विभूतियों स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी , सुभाष चंद्र बोस , शहीद भगत सिंह एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल के व्यक्तित्व , कृतित्व एवम देश के प्रति उनके योगदान पर मौखिक प्रस्तुति बच्चों द्वारा की गई ।अंत में तीनों ग्रुप के बच्चों नें जंक फूड का प्रभाव , धारा 370 स्वयं समान नागरिक संहिता की आवश्यकता पर वाद विवाद प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया ।प्रतियोगिता के सफल आयोजन में संयोजक मंडल के सदस्य एवं सभा के सभी सदस्यों डॉ अशोक गुप्ता दिनेश गुप्ता राजेश गुप्ता गोरखनाथ जी राकेश केसरवानी सत्य प्रकाश जी बैजनाथ केसरवानी कृष्ण कुमार केसरी नंदकिशोर राजेंद्र गुप्ता रविंद्र केसरी लक्ष्मीकांत सुनील केसरवानी महेश केसरी अनूप केसरवानी आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया ।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में सोमवार को छात्रों और सुरक्षाकर्मियों के बीच हुए विवाद

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । इलाहाबाद विश्वविद्यालय में सोमवार को छात्रों और सुरक्षाकर्मियों के बीच हुए विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट बार ने छात्रनेताओं पर बर्बरतापूर्वक हुए हमले की निंदा की है। साथ ही आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए छात्रनेताओं का समर्थन किया है। इस मामले में इविवि के पूर्व छात्रनेता और हाईकोर्ट के अधिवक्ता रजनीश कुमार सिंह रीशू के नेतृत्व में अधिवक्ताओं की एक टीम ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधाकांत ओझा और महासचिव एसडी सिंह जादौन से मुलाकात की। इस दौरान कार्यकारिणी के सभी सदस्य भी मौजूद रहे। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के महासचिव

HIGH COURT BAR ASSOCIATION, ALLAHABAD
हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद

एसडी सिंह जादौन ने कहा कि अगर आरोपियों की गिरफ़्तारी न हुई तो बार के पदाधिकारी भी छात्रों के साथ सड़क पर उतरने को बाध्य होंगे।। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने छात्रों को अपना समर्थन देते हुए पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर आरोपियों के तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार नहीं किया जाता है तो हाईकोर्ट बार एसोसिएशन भी छात्रों के साथ इस आंदोलन में उतरने के लिए बाध्य होगा। गौरतलब है कि पूर्व छात्रनेता विवेकानंद पाठक हाईकोर्ट के अधिवक्ता भी हैं। इस दौरान हाईकोर्ट के अधिवक्ता अभ्युदय नारायण त्रिपाठी, अमरेंद्र सिंह, सुरेश पांडेय, विनीत जायसवाल, अखिलेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष बने सुभाष शुक्ल व तहसील अध्यक्ष सुमंत भार्गव

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । पत्रकार एसोसिएशन प्रयागराज यूपी संघ के प्रांतीय पदाधिकारियों की बैठक प्रांतीय कार्यालय गोबरा तरहार में मंगलवार को हुई। जिसमें चयन समिति द्वारा प्रस्तावित नामो की

सुभाष शुक्ल-जिलाध्यक्ष
सुमंत भार्गव तहसील अध्यक्ष

सूची के आधार पर सर्व सम्मति से सुभाष शुक्ला को प्रयागराज जिले का जिलाध्यक्ष व सुमंत भार्गव को बारा तहसील इकाई का तहसील अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। संघ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए पी सी पाण्डेय प्रदेश अध्यक्ष, एस पी पाण्डेय प्रदेश संयोजक,सुरेश चन्द्र पाण्डेय प्रदेश महा मंत्री,अशोक पाठक मनोनयन समिति संयोजक ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।बधाई देने वालों में तहसील बारा संरक्षक महेश प्रसाद त्रिपाठी, मयंक त्रिपाठी,रावेन्द्र तिवारी चामू,निर्भय शंकर द्विवेदी,आशीष मिश्रा(पूर्व तहसील अध्यक्ष, बारा) राकेश कुशवाहा, रजनीकांत त्रिपाठी, राकेश मिश्रा, यादवेंद्र यादव,नईम अहमद, मनोज कुमार बिन्द,सहित काफी संख्या में पत्रकार साथियों ने शुभकामनाएं व बधाइयां दी है।तहसील संरक्षक महेश प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि मनोनयन समिति ने बड़ी सूझ-बूझ का परिचय देते हुए दोनों सिंहों(सुभाष शुक्ला व सुमन्त भार्गव) को जिले एवं तहसील की कमान सौंपी है।उक्त निर्णय का सभी पत्रकार साथियों ने हार्दिक स्वागत किया है।

नगर निगम की हकीकत बताएगी पंखुड़ी गिडवानी की फिल्म 'महापौर'

(आधुनिक समाचार सेवा)
लखनऊ । लखनऊ, दिसंबर 2022 :राजधानी में आजकल फिल्म महापौर की शूटिंग चल रही है। प्रायरोडा प्रोडक्शन और वर्चस्व

मोशन पिक्चर्स के बैनर तले फिल्म महापौर में बतौर अभिनेत्री प्रीति झंगियानी और पंखुड़ी गिडवानी ने किरदार निभाया है। फिल्म में अभिनेता यजुवेन्द्र जो कि आईएएस ऑफिसर हैं और नये नये नगर आयुक्त बने हैं। जो नौकरी को बड़ी शिद्दत से करना चाहता है और निगम की छवि अच्छी बनाना चाहता है। ओएसडी के रूप में अभिनेता योगेश शुक्ला हर दिन आने वाली नई-नई चुनौतियों से रूबरू करवाता है। फिल्म मोहब्बतें में अपनी खास पहचान बना चुकी प्रीति झंगियानी मेयर का किरदार निभा रही हैं। वहीं फेमिना मिस इंडिया 2016 में रनर अप रही लखनऊ की ही पंखुड़ी गिडवानी सामाजिक कार्यकर्ता और आईएएस अफसर की हम सफर बनी हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर एसडी सिंह, रत्नेश श्रीवास्तव और अविनाश गुप्ता हैं। फिल्म लेखक एसडी सिंह ने बताया कि अक्सर नगर निगम का नाम सुनते ही शहर की समस्याएं और भ्रष्टाचार दिमाग में आ जाता है लेकिन इसके पीछे की वजहों को भी हमने उजागर करने की कोशिश की। विषय विशेष पर आधारित यह फिल्म दर्शकों को हकीकत बताएगी। फिल्म में शहर काफी वरिष्ठ कलाकारों भी काम किया है। निर्देशक अविनाश गुप्ता ने बताया है फिल्म मार्च-अप्रैल तक दर्शकों के बीच में होगी।

सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया कटरा शाखा में स्थापना दिबस मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया कटरा शाखा में स्थापना दिबस मनाते हुए कार्यक्रम में शाखा प्रबंधक गुंजन शुक्ला जी, पूर्व प्रबंधक श्री राजेश तिवारी जी व् अन्य बैंक सहकर्मी वर्मा जी, श्याम जी के आलावा उद्यमी अरविन्द राय, डिम्पल जी, पवन जी आशीष आदि कई लोग उपस्थित रहे.

कार्यों में लापरवाही पर जिलाधिकारी ने आर सेटी के निदेशक को लगायी कड़ी फटकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में बैंकों की जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) की बैठक सम्पन्न हुई। किसान क्रेडिट कार्ड की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के भौतिक लक्ष्य 104820 के सापेक्ष रबी की फसल के लिये 52410 एवं खरीफ के लिये 52410 निर्धारित किया गया है। वर्ष 2022 में खरीफ फसल के लिये 46437 भौतिक आवेदन स्वीकृत है एवं कुल राशि 42055.45 लाख का ऋण स्वीकृत किया चुका है। इसी प्रकार मत्स्य पालन केसीसी योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष का लक्ष्य 6750 लाभार्थियों का है विभाग द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष 92 पत्रावलियॉ बैंकों की विभिन्न शाखाओं में प्रेषित की गई जिनमें 22 पत्रावलियों में 53.54 लाख का ऋण स्वीकृत किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पशुपालक केसीसी योजना का वित्तीय वर्ष का लक्ष्य 20710 लाभार्थियों का है विभाग द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष 3520 पत्रावलियॉ बैंकों की विभिन्न शखाओं में प्रेषित की गई जिनमें 3453 पत्रावलियों का ऋण स्वीकृत किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने मत्स्य पालन एवं पशु पालन विभाग के केसीसी योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुये सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना की धीमी प्रगति में सुधार लायें अन्यथा सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान द्वारा 485 लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया जिसके सापेक्ष 119 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत किया गया है। जिलाधिकारी ने आर सेटी के निदेशक जितेन्द्र प्रसाद से जानकारी ली कि अब तक किन-किन बैंकों में ऋण हेतु कितने आवेदन भेजे गये जिस पर आर सेटी के निदेशक जानकारी उपलब्ध नही करा पायें। जिलाधिकारी ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के ट्रेनिंग लाभार्थियों की संख्या एवं उन्हें ऋण सुविधा मुहैया कराये जाने के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की तो वह सही आंकड़ा प्रस्तुत नही कर पाये जिस पर जिलाधिकारी ने आर सेटी के निदेशक को कड़ी फटकार लगाते हुये निर्देशित किया कि ट्रेनिंग कराकर खानापूर्ति न करें बल्कि लाभार्थियों को लाभान्वित करायें इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरते। ओडीओपी योजना के सम्बन्ध में बताया कि वित्तीय वर्ष में भौतिक लक्ष्य 24 का प्राप्त हुआ है जिसके सापेक्ष 43 पत्रावलियॉ बैंकों की विभिन्न शाखाओं में भेजी गई, प्राप्त आवेदनों में 10 पत्रावलियों में 37.18 लाख का ऋण स्वीकृत था 06 पत्रावलियों में 12.88 लाख का ऋण वितरित किया जा चुका है। ओडीओपी योजना की खराब प्रगति पर जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग दिनेश कुमार चौरसिया को निर्देशित किया कि प्रगति में सुधार लायें। मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के सम्बन्ध में बताया गया कि वित्तीय वर्ष में योजना का भौतिक लक्ष्य 12 प्राप्त हुआ है जिसके सापेक्ष 53 पत्रावलियॉ विभिन्न बैंकों की शाखाओं में प्रेषित की गई जिनमें 12 पत्रावलियों में ऋण स्वीकृत व 11 पत्रावली में ऋण वितरण किया जा चुका है। वार्षिक ऋण योजना वित्तीय वर्ष 2022-23 के द्वितीय त्रैमास में वार्षिक ऋण योजना लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि 62.10 प्रतिशत है जिसमें प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र की उपलब्धि 43.05 प्रतिशत है। जिलाधिकारी ने सभी बैंकों को निर्देशित किया कि ऋण वितरण की कार्यवाही करें। इसी प्रकार जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, जनपद का ऋण जमानुपात, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि विभागों की योजनाओं के सम्बन्ध में समीक्षा की। जिलाधिकारी ने बैंकों के जिला समन्वयकों एवं सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बैंकों में शासकीय योजनाओं की लम्बित पत्रावलियॉ में रूचि लें और लाभार्थियों को लाभान्वित करायें, लापरवाही कदापि बन बरते अन्यथा सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। बैठक में दिये गये निर्देशों का शत् प्रतिशत अनुपालन करें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने नाबार्ड द्वारा प्रकाशित संभाव्यता युक्त ऋण योजना 2023-24 नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, अग्रणी जिला प्रबन्धक गोपाल शेखर झा सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

खेल को खेल भावना से ही खेलना चाहिये-उप मुख्य कार्मिक अधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर। एन0ई0रेलवे बालक इण्टर कालेज गोरखपुर का दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा का उद्घाटन समारोह का आयोजन आज गुरुवार को हुआ। मुख्य कार्मिक अधिकारी आई.आर.ने कहा कि खेलकूद से सर्वांगीण विकास होता है तथा मानसिक व शारीरिक रूप से व्यक्ति सशक्त होता है। श्री चंद ने कहा कि खेल को खेल भावना से ही खेलना चाहिये। इस अवसर प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विशिष्ट अतिथि श्री आर.पी. चंद ने पुरस्कृत किया।समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य कार्मिक अधिकारी आई.आर0 अवधेश कुमार एवं विशिष्ट अतिथि विद्यालय के

अधिकारी आई.आर.अवधेश कुमार ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करने के साथ ही ध्वजारोहण के उपरान्त उन्होंने परेड का निरीक्षण एवं मार्च पास्ट की सलामी ली।मुख्य अतिथि श्री कुमार ने खिलाड़ियों को शपथ ग्रहण कराकर दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद का आरम्भ किया। इस अवसर पर आर0पी0 चंद, उप मुख्य कार्मिक पर छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें समूह नृत्य एवं एकल नृत्य प्रमुख थे। इसी क्रम में बालक एवं बालिका वर्ग में सेब दौड़, बालक एवं बालिका (वरिष्ठ) वर्ग में 800 मीटर दौड़, बालक (कनिष्ठ) वर्ग में 800 मीटर एवं बालिका (कनिष्ठ) वर्ग में 400 मीटर दौड़ आयोजित की गई, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान कार्यकारी अधिकारी उपमुख्य कार्मिक अधिकारी आई.आर. व आर.पी.चंद रहे। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक,अध्यापिकायें एवं समस्त कर्मचारी तथा छात्र-छात्रायें उपस्थित थे तथा प्रधानाचार्य श्री एस.एस. रावत ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। पंकज कुमार सिंह मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी ने इसकी जानकारी मीडिया को दी है।

हमें राजभाषा हिंदी का प्रयोग करते हुए गर्व का अनुभव होना चाहिए-रामाश्रय पाण्डेय डीआरएम

काशी प्रतिबिंब''हिंदी पत्रिका लेख हेतु किया प्रेरित

(आधुनिक समाचार सेवा)

बलिया/वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के भारतेन्दु सभा कक्ष में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एवं ई-ऑफिस की कार्य प्रणाली और हिंदी का प्रावधान विषय पर संगोष्ठी का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय के अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा केवल कार्यालयी कार्यों में ही नहीं बल्कि जीवन के प्रत्येक कार्य में हिंदी का ही प्रयोग किया जाना चाहिए क्योंकि इसी से हमारी पहचान बनती हैं हमें राजभाषा हिंदी का प्रयोग करते हुए गर्व का अनुभव होना चाहिए। समारोह के इस बैठक को संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय ने मंडल पर कार्यरत अधिकारीयों एवं कर्मचारियों को विभिन्न बिंदुओं पर हिंदी में कार्य करने हेतु निर्देश दिया। उन्होंने मूल पत्राचार शत-प्रतिशत हिंदी में करने।अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों का उत्तर भी हिंदी में देने। वाराणसी मंडल की वेबसाइट पर सभी सामग्री द्विभाषी में ही अपलोड करने।कंप्यूटर पर टाइपिंग के लिए यूनिकोड के प्रयोग को प्रोत्साहित

करने हेतु मंडल की त्रैमासिक ''काशी प्रतिबिंब'' हिंदी पत्रिका के लिए तकनीकी लेख लिखने तथा अधिकारीयों को निरीक्षण के दौरान चेक लिस्ट के माध्यम से राजभाषा प्रयोग का भी निरीक्षण करने का निर्देश दिया।संगोष्ठी में सभी का स्वागत करते हुए अपरमुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक(इन्फ्रा) ज्ञानेश त्रिपाठी ने ई ऑफिस की कार्य प्रणाली और उसमें यूनिफार्म हिंदी के उपयोग हेतु फोनेटिक के साथ-साथ गूगल की बोर्ड का प्रयोग करने का उपाय बताने के साथ ही रेल के सभी कार्य हिंदी में करने हेतु प्रोत्साहित किया।मंडल के तकनीकी कर्मचारियों एवं अधिकारियों को मंडल की त्रैमासिक ''काशी प्रतिबिंब'' हिंदी पत्रिका हेतु तकनीकी लेख लिखने हेतु आमंत्रित किया।इस संगोष्ठी में मंडल के सभी प्रमुख शाखाधिकारी एवं 15 स्टेशनों पर गठित स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समितियाँ के अध्यक्ष सदस्य के रूप में सम्मिलित हुए साथ ही तकनीकी संगोष्ठी में सभी विभाग से कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक(इन्फ्रा) ज्ञानेश त्रिपाठी,वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी समीर पॉल, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्रीमती प्रीती वर्मा, वरिष्ठ मंडल आंकड़ा एव संसाधन प्रबंधक एसएन0 राम, सहायक विद्युत इंजीनियर मनीष श्रीवास्तव, जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार, राजभाषा अधिकारी सह सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह एवं स्टेशन राजभाषा समिति के सदस्यगण समेत सभी मंडलीय कर्मचारी उपस्थित रहे।पूर्वोत्तर रेलवे के मण्डल रेल प्रबंधक वाराणसी के जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार के अनुसार इस बैठक मे सभी का स्वागत करते हुए राजभाषा अधिकारी सह सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह ने राजभाषा पर प्राप्त सुझावों पर विस्तृत चर्चा की और सुधार के बारे में बताया। इस बैठक के दौरान राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गयी। पिछले कार्यन्वयन समिति की बैठक के कार्यवृन्त की पुष्टि की गयी तथा अगली बैठक हेतु सुझाव लिए गये। समारोह का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन राजभाषा अधिकारी सह सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी श्री प्रदीप कुमार सिंह ने किया ।

डीआरएम के निर्देश पर रेलवे चिकित्सालय पर भी 'नो मास्क नो एंट्री' का फॉर्मूला लागू

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय के निर्देशन में मंडल चिकित्सालय वाराणसी में कोरोना नये खतरनाक वैरिएंट से निपटने की तैयारियाँ तेज।इस दौरान डा0 सुनन्दा चतुर्वेदी के नेतृत्व में आज मंडल चिकित्सालय पर आयोजित एहतियात बैठक में मंडल चिकित्सालय पर 'नो मास्क नो एंट्री' का फॉर्मूला लागू किया है,जिसके अंतर्गत मंडल चिकित्सालय के सभी मेडिकल एवं पैरा मेडिकल स्टाफ को ड्यूटी के दौरान एवं चिकित्सालय के ओपीडी में इलाज हेतु आये लोगों को मास्क लगाना अनिवार्य होगा।अब से मास्क लगाने वालों को ही अस्पताल में परामर्श के साथ दवा मिल पाएगी। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 आर आर सिंह ने बताया कि मंडल चिकित्सालय के सभी ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर और वेंटिलेटर की भी जांच कर ली गई है। सभी सुविधाएं दुरुस्त हैं मंडल चिकित्सालय पर आइसोलेशन वार्ड भी बनाया जा रहा हैं जहाँ संभावित मरीजों के लिए पहले से बेड भी आरक्षित रखे गए हैं । उन्होंने रेल कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि मास्क अवश्य लगा कर रखें ।उचित दूरी का पालन करें और कोई भी लक्षण दिखने पर तुरंत जांच करवाएं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया गया कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि भारत अन्य देशों

की तुलना में अच्छी स्थिति में है लेकिन हमें सतर्क और तैयार रहना चाहिए।मंडल चिकित्सालय पर कोरोना वायरस के नये वैरिएंट से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं। जिसके अंतर्गत-सार्वजनिक संपर्क के दौरान मास्क, सैनिटाइजर और ग्लब्स जैसे सुरक्षात्मक उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। कोरोना मामलों के लिए आवश्यक ओपीडी दवाओं की उपलब्धता एवं इनडोर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित किया जा रहा है इस दौरान जांच सुविधाएं आरटीपीसीआर-सीटी स्कैन, एक्सरे, पैथोलॉजी की जांच से जुड़े संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था की गयी है। ऑक्सीजन प्लांट कंसंट्रेटर्स और सिलिंडर के जरिए सभी बेडों पर ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है। कोविड वैक्सीनेशन की एहतियाती खुराक के साथ छूटे हुए सभी कर्मचारियों का निरंतर टीकाकरण कराया जा रहा है। जिससे सभी कर्मचारियों को कवर किया जा सके।इसके साथ ही अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए पृथकी करण समेत आवश्यक सभी वस्तुओं की उपलब्धता की जा रही है।इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 आर आर सिंह,डा सुनन्दा चतुर्वेदी, डा निरज,डा कल्पना दूबे,डा ए के सिंह तथा मंडल चिकित्सा अधिकारी डा अब्दूल मामूद,डा आशीष गुप्ता,डा मोनिका शुक्ला एवं डा अमरनाथ समेत मंडल चिकित्सालय के सभी कर्मचारी उपस्थित थे। इस आशय की जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे मण्डल रेल प्रबंधक वाराणसी के जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार ने दी।

दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचे पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंच चुके हैं। वो व्हीलचेयर पर नजर आए। वह शनिवार को काशी विश्वनाथ धाम में मंगला आरती में शामिल होने के साथ ही बाबा का दर्शन पूजन कर दिल्ली रवाना हो जाएंगे। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंच चुके हैं। विस्तारा एयरलाइंस के विमान से अपराह्न तीन बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पर उतरे। उन्हें व्हीलचेयर

पर बैठाकर वीआईपी लाउंज से पोर्टको तक लाया गया। जिला प्रशासन को मिले प्रोटोकॉल के मुताबिक, पूर्व प्रधानमंत्री एयरपोर्ट से काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करने जाएंगे। अगले दिन शनिवार को वह काशी विश्वनाथ धाम में मंगला आरती में शामिल होने के साथ ही बाबा का दर्शन पूजन कर दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

देह व्यापार की सूचना पर कैंट स्टेशन के सामने दबिशवाराणसी आने पर्यटकों

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। कारोबारियों और अन्य लोगों को कैंट स्टेशन पर ही लुभाने और होटल-गेस्ट हाउस में ले जाकर देह व्यापार कराने के मामले का खुलासा हुआ है। पुलिस ने शुक्रवार को दबिश देकर 15 युवकों को गिरफ्तार किया है। वाराणसी आने पर्यटकों, कारोबारियों और अन्य लोगों को कैंट स्टेशन पर ही लुभाने और होटल-गेस्ट हाउस में ले जाकर देह व्यापार कराने की सूचना पर पुलिस ने शुक्रवार को दबिश दी। कैंट स्टेशन के सामने सड़क से महिलाओं पर अनावश्यक कमेंट व अश्लील हरकते करते 15 युवकों को दबोचा। स्थानीय लोगों की शिकायत पर सिगरा पुलिस ने सादे वेश में छापेमारी की। इस दौरान वहां मौजूद महिलाएं तो भाग गईं, लेकिन 15 युवक पुलिस के हत्थे चढ़ गए। आरोपियों से पूछताछ में कई होटलों के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान करने की कार्रवाई कर रही है। एसीपी शिवा सिंह ने बताया कि काफी दिनों से सूचना मिल रही थी कि कैंट स्टेशन के पास कुछ लोग महिलाओं के साथ अनावश्यक कमेंट व अश्लील हरकत करते हैं। इसके मद्देनजर शुक्रवार को अभियान चलाया गया। इस दौरान 15 लोगों को पकड़ा गया। इसमें कई कार व बाइक से थे। पूछताछ में पुष्टि हुई है कि ये सभी देह व्यापार में लिप्त हैं। गिरफ्तार आरोपियों में चंदौली के नई कोट निवासी अनूप सिंह, लौंदा अलीनगर

के दिनेश यादव, आलमपुर अलीनगर निवासी पप्पू सोनकर, मिर्जापुर के कोठी लालगंज निवासी सत्यम गिरी, गाजीपुर के मुड़ियार सैदपुर निवासी श्याम सुंदर यादव, नंदगंज निवासी अविनाश यादव, बस्ती के नथना निवासी कृष्ण कुमार शर्मा, आजमगढ़ के अतरौलिया निवासी सौरभ निषाद शामिल है। इसके अलावा आगरा बाह के विक्रमपुर निवासी रवि सिंह, बिहार के बक्सर निवासी तारकेश्वर पांडेय, वैशाली के हसनपुर निवासी किशन महतो, फाफामउ प्रयागराज निवासी गौतम तिवारी, वाराणसी के त्रिलोचन गायघाट निवासी रोहित सिंह, हरहुआ निवासी जितेंद्र जायसवाल, मिर्जापुर के लालगंज कोठी के रहने वाले जय गिरी समेत 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। छापेमारी में सिगरा एसओ राजीव सिंह, रोडवेज चौकी इंचार्ज आदित्य सिंह, एसआई मीना सिंह आदि शामिल रहे। सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बिजली की एक चिंगारी और खाक हो गए 10 वनवासी परिवारों के घर

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। आजमगढ़ के देवगांव कोतवाली अंतर्गत विकास खंड लालगंज के रेतवां चंद्रभानपुर गांव में शुक्रवार की सुबह हुई अगलगी की

घटना में 10 वनवासी परिवारों की गृहस्थी जल कर खाक हो गई। बिजली की के तारों में हुई शार्ट सर्किट से घटना हुई। जिससे सभी पीड़ित परिवारों के लोग खुले आसमान के नीचे आ गए हैं। लालगंज कस्बा के समीप रेतवा चंद्रभानपुर गांव है। इस गांव में वनवासी झोपड़ी आदि डाल कर रहते है। शुक्रवार की सुबह पास से गुजरे विद्युत तार में हुई शार्ट सर्किट से निकली चिंगारी ने 10 वनवासी परिवारों की झोपड़ियों को अपने आगोश में ले लिया। एक-एक कर 10 परिवारों की झोपड़ी पूरी तरह से आग की भेंट चढ़ गई। पीड़ित लोगों में कुमार, बबलू, मनीराम, नंदलाल, विजई, मुन्ना, सोनू, रामाश्रय, प्रदीप, शुभवती आदि शामिल है। आग लगते ही झोपड़ियों में मौजूद लोगों में भगदड़ सी मच गई। सभी झोपड़ी से बाहर निकल आए और आग बुझाने की कवायद में जुट गए। सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी कुछ ही देर में मौके पर पहुंच गई। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक पीड़ित परिवारों की बाइक, खाद्यान्न समेत गृहस्थी का सारा सामान जल कर खाक हो चुका था। अगलगी की घटना की जानकारी होते ही प्रशासनिक अमला भी मौके पर पहुंच गया और पीड़ित परिवारों को तहसील बुला कर मदन का आश्वासन दिया है।

सीधे प्रवेश
100% Placement
15% Fee Concession
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)
❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं
➢ इलेक्टिक मैकैनिक
फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiti.com
Mail us at – info@nainiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873
⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

नाले में गिरने से 50 वर्षीय बुजुर्ग की हुई मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

डाला,सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति नशे की हालत में नाले में गिरने से मौत हो गई। चोपन थाने से मिली जानकारी के अनुसार

बृहस्पतिवार को महावीर पुत्र स्वर्गीय रामेश्वर निवासी कोटा टोला रहनुमा डंडी की लिखित तहरीर दी कि उनके पिता पुत्र रामपति निवासी कोटा टोला रोहिणी मंडी थाना चोपन सोनभद्र उम्र लगभग 50 वर्ष बुधवार को शाम करीब सात बजे शराब के नशे में फिसल कर एक नाले में गिर गए जो लगभग 20-25 फीट नीचे था जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आने के कारण उनकी मृत्यु हो गई हैं। इस सूचना पर चोपन थाना उपनिरीक्षक हमराहियों के साथ मौके पर पहुंचकर पंचायत नामा भरकर आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया गया।

एनटीपीसी सिंगरौली सीएसआर द्वारा ओपेन बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

शक्तिनगर। एनटीपीसी सिंगरौली,शक्तिनगर सी एस आर द्वारा जेएमसी क्लब के माध्यम से ओपेन बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन दिनांक जे एम ई कालोनी में किया गया। इस ओपेन बैडमिंटन टूर्नामेंट में उत्तर प्रदेश औरमध्यप्रदेश की कुल 40 टीमों द्वारा प्रतिभागिता की गई। इस टूर्नामेंटका शुभारंभमुख्य अतिथि श्री बिजोय कुमार सिकदर (मानव संसाधन प्रमुख) द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।श्री सिकदर ने खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल का हम सभी के जीवन में विशेष महत्व है जिसके कारण हमारा शरीर स्वस्थ और तंदरुस्त रहता है। खेल को बढ़ावा देने हेतु एनटीपीसी सिंगरौलीविविध खेल कार्यक्रम आयोजित करती रहती है एवं भविष्य में भी खेल कूद को बढ़ावा देने हेतु एनटीपीसी प्रतिबद्ध है। इस ओपेन बैडमिंटन टूर्नामेंट के जेएमसी कप के समापन समारोह में ओबरा की टीम फाइनल मैच जीतकर विजेता घोषित हुई। एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा समापन समारोह में विजेता टीम नगद इनाम और ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में शक्तिनगर प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह, श्री कुमार आदर्श, (कार्यपालक सीएसआर), पत्रकारबंधु समेत तमाम दर्शक मौजूद रहे। आयोजन समिति में सत्य प्रकाश सिंह समेत के.बी मिश्रा, गौतम मिश्रा, यश बंसल, राजेश खत्री अजय मिश्रा सचिनंदन सिंह अजय गुप्ता शौनक नेगी, कुश बंसल, अमित सिंह विनोद गुप्ता शामिल रहे।

देश की पहली मुस्लिम महिला फाइटर पायलट बनेंगी सानिया मिर्जा, पिता टीवी मैकेनिक

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। इनके बारे मेंअगर कुछ कर गुजरने का जुनून हो तो फिर इस दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है। खास तौर पर तब जब ये लक्ष्य आपके साथ-साथ आपके माता-पिता की भी चाहत हो तो हौसले और भी बुलंद हो जाते हैं। कुछ ऐसा ही कमाल किया है, उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के छोटे से गांव की रहने वाली सानिया मिर्जा ने। सानिया ने एनडीए की परीक्षा में 149वीं रैंक के साथ फ्लाइंग विंग में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। फ्लाइंग में दो ही सीट हैं। एनडीए में मात्र 19 पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। सब कुछ ठीक रहा तोएनडीए से पास आउट होकर सानिया देश की पहली मुस्लिम महिला फाइटर पायलट बन सकतीं हैं। सानिया के पिता शाहिद अली मिर्जापुर में टीवी मैकेनिक हैं। सानिया बचपन से ही इंजीनियर बनना चाहती थी। 11वीं में पढ़ाई के दौरान कुछ ऐसा हुआ कि सानिया मिर्जा ने एनडीए मे जाने की ठान ली। नीचे की स्लाइड्स में जानिए...मिर्जापुर देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के छोटे से गांव जसोवर की रहने वाली सानिया हैं। प्राइमरी से लेकर 10वीं तक की शिक्षा गांव के ही पंडित चिंतामणि दुबे इंटर कॉलेज से पूरी की। यूपी बोर्ड की परीक्षा में जिला टॉपर भी रही हैं। इसके बाद सानिया ने शहर के गुरु नानक गर्ल्स इंटर कॉलेज से 12वीं की पढ़ाई पूरी की। सानिया ने बीते 10 अप्रैल उन्होंने एनडीए की परीक्षा दी। नवंबर में जारी लिस्ट में उनका चयन हुआ है। वे फ्लाइंग में चुनी जाने वाली दो महिलाओं में से एक हैं। सानिया एनडीए ट्रेनिंग के लिए 27 दिसंबर को पुणे में ज्वाइन करेंगी। सानिया ने बताया कि सीबीएसई, आईसीएसई ही नहीं, यूपी बोर्ड के विद्यार्थी भी एनडीए में जा सकते हैं। सानिया मिर्जा ने कहा कि मैं इंजीनियर बनना चाहती थी। 11वीं में देश की प्रथम महिला फाइटर पायलट अवनी चतुर्वेदी के बारे में जाना। वह मेरी प्रेरणा स्रोत बन गईं और मैंने एनडीए में जाने की ठान ली। मैंने सोचा कि मुझे भी ऐसा ही कुछ करना है, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों, खासकर लड़कियों के लिए मैं प्रेरणा बन सकूं। हमारे समाज में पढ़ाने से ज्यादा शादी के दहेज के लिए परिजन मेहनत करते हैं। देश सेवा सिर्फ जज्बा नहीं है बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। सानिया के पिता शाहिद अली ने कहा कि एक टीवी मैकेनिक सामान्य जीवन जीता है। बेटी के अंदर प्रतिस्पर्धा और लगन को देखा तो लक्ष्य हासिल करने में उसकी मदद करने लगा। हाईस्कूल में टॉप किया तो लगा कि बिटिया कुछ करना चाहती है। जिला टॉप करने के बाद एनडीए में जाने की इच्छा जताई। बिटिया ने मुझसे कहा कि वह एनडीए के रास्ते देश सेवा के लिए जाना चाहती है तो हमने भी उसका पूरा साथ दिया। सानिया की मां तबस्सुम ने कहा कि हमारी बच्ची ने मां के साथ ही गांव का सम्मान रखा। मान सम्मान सपना सब कुछ पूरा कर दिया। उसने यह सिद्ध किया कि गांव की बच्ची कुछ भी कर सकती है। सानिया की मां तबस्सुम ने कहा कि हमारी बच्ची ने मां के साथ ही गांव का सम्मान रखा। मान सम्मान सपना सब कुछ पूरा कर दिया। उसने यह सिद्ध किया कि गांव की बच्ची कुछ भी कर सकती है। समस्याएं आती हैं लेकिन सफलता मिलने के बाद सब कुछ उसके सामने छोटा हो जाता है।

रेणुकूट से 56 लाख का एल्यूमिनियम लेकर जौनपुर को निकला ट्रक लापता

(आधुनिक समाचार सेवा)

रेणुकूट। नगर स्थित निजी औद्योगिक प्रतिष्ठान हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड से एक ट्रक एल्यूमिनियम लेकर जौनपुर के लिए निकला ट्रक लापता हो गया है। मामले में ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मी की तरफ से संबंधित ट्रक मालिक व चालक पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस ने बताया कि रेणुकूट नगर के एसएस मार्केट में

संचालित ट्रांसपोर्ट एजेंसी ईस्ट इंडिया ट्रांसपोर्ट के कर्मी शंकर लाल राजपुरोहित ने तहरीर देकर अवगत कराया है कि बीते 11 दिसंबर को एक ट्रक उनके ट्रांसपोर्ट से माल लेकर सतहरिया जौनपुर के लिए निकला था। ट्रक मालिक श्याम बाबू निवासी महुआखेड़ा जनपद उन्नाव तथा चालक विक्रम पुत्र जगदीश प्रसाद निवासी ग्राम पुरे दीक्षित, हरवंशगंज जायस, बहादुरपुर तिलोई, जनपद रायबरेली द्वारा 11 नवंबर को 34 पैकेट एल्यूमिनियम रोल्ड ट्रक में लाद कर निकले थे। ट्रक पर लोड एल्यूमिनियम का कुल वजन 17902 किलोग्राम था और उसकी कीमत 5681829 रुपए है, यह माल हॉकिंस कुकर्स लिमिटेड सतहरिया जौनपुर के लिए निकला था, लेकिन कई दिनों बाद भी जब माल अपने गंतव्य स्थान तक नहीं पहुंचा। ट्रक मालिक और ड्राइवर का मोबाइल मिलाने पर दोनों का मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा है ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मियों ने रेणुकूट से जौनपुर तक काफी खोजबीन की परंतु अभी तक ट्रक और उस पर लोड हुए माल का कोई पता नहीं चल पाया है। थानाध्यक्ष दिनेश प्रकाश पांडेय ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर ट्रक मालिक व ट्रक चालक के खिलाफ गबन का केस दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। 56 लाख का एल्यूमिनियम लेकर जौनपुर जा रहा ट्रक लापता रेणुकूट से 56 लाख का एल्यूमिनियम लेकर जौनपुर को निकला ट्रक लापता।

गरीब की मदद कर मानवता की मिशाल पेश की जनसेविका सावित्री देवी ने

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। थाना चोपन अंतर्गत निवासी शंकर उम्र 50 वर्ष जिनका लगभग 10 वर्ष पूर्व दुर्घटना में बाए पैर में रॉड पड़ा था।तब से अपना और अपने परिवार के जीविकोपार्जन हेतु थाना गेट के पास चाय की

दुकान खोलकर उससे पेट पालते हैं विगत कुछ महीनों से बाए पैर में लगे रॉड की वजह से असहनीय पीड़ा से परेशान थे दवा खा कर दिन रात गुजार रहे थे कई लोगों से मदद हेतु कहा लेकिन किसी से मदद नही किया फिर शंकर ने गरीबों की हर संभव मदद करने वाली जनसेविका सावित्री देवी को रोते हुए इस असहनीय दर्द के बारे में बताते हुए आंसु झलक पड़े कहा बिटिया मेरा यह दर्द अब बर्दाश्त नहीं हो रहा भगवान मुझे उठा ले तब ही अच्छा होगा सावित्री देवी भावुक होकर यह वृद्ध का दुःख देख कहा चाचा जी आपके ऑपरेशन की जिम्मेदारी हमारी तत्काल एंबुलेंस 108 बुलाकर जिला जिला अस्पताल ले गई वहा डाक्टर द्वारा गंभीर स्थिति बताते हुए वाराणसी जाने को कहा लेकिन पैसा का अभाव था सावित्री देवी ने फौरन जनपद में मानवता को ध्यान में रख गरीबों की मदद करने वाले लाईफ केयर हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेंटर के डॉ प्रमोद प्रजापति के पास ले गई जहा डाक्टर ने प्राथमिकता के आधार फौरन शंकर का ओपीडी पर्ची निशुल्क बनवाया व एक्सरे करवाया व रिपोर्ट के आधार पर बताया की अगर जल्द ऑपरेशन करके अगर पैर से रॉड ना निकलता तो घुटना तोड़ देता जिसकी वजह से इनको काफी दर्द हो रहा हैं उन्होंने तत्काल ऑपरेशन करके रॉड निकालने का सुझाव दिया और कहा आप द्वारा देखता हू हमेशा गरीबों की निस्वार्थ सेवा किया जाता है जो आज समय में बहुत कम लोग मिलते हैं इनकी भी आप मदद हेतु लाई है जो भी बन सकेगा न्यूनतम खर्च में मदद किया जायेगा तत्काल आप ऑपरेशन कराने हेतु व्यवस्था करें।सावित्री देवी ने फौरन अपने कॉमन सर्विस सेंटर चोपन से पैसा मंगवा कर अस्पताल में जमा करते हुए डाक्टर को उपचार करने हेतु कहा कुछ घंटों में ऑपरेशन सफल हो गया 24 घंटे भर्ती रखते हुए दवा देकर गुरुवार को डाक्टर द्वारा छुट्टी दे दिया गया।शंकर घर आने के बाद काफी आशीर्वाद दिए उनका दर्द अब आराम है साथ ही उनके परिवार ने भी खुशी जाहिर की।सावित्री देवी ने कहा बचपन से इतना दुःख झेलते आई हु की किसी सा दुःख देख बर्दाश्त नही होता भगवान ने मुझे पैसा तो नही दिया लेकिन तथा संभव मदद अपने सर्वस्त जीवन करती रहूंगी।

कोयला लदी मालगाड़ी की कपलिंग टूटी, 10 बोगियां ट्रेन से अलग

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। मालगाड़ी कोयला लोड कर शक्तिनगर सिंगरौली से चुनार की तरफ जा रही थी। मिर्जापुर जनपद के सोनवर्षा फाटक के पास उसकी कपलिंग टूट गई। मालगाड़ी बृहस्पतिवार को कोयला लदी एक मालगाड़ी का कपलिंग प्रेशर टूट गया। इससे मालगाड़ी की 10 बोगियां ट्रेन से अलग हो गईं। मालगाड़ी लूसा पहुंचने पर उसका आधा हिस्सा न होने पर रेल कपलिंग टूट गई। मालगाड़ी की 10 बोगियां अलग हो गईं। इंजन सहित 60 बोगियां लेकर मालगाड़ी लूसा पहुंच गई।

गार्ड के मेमो पर रेल फाटक सोनबरसा द्वारा बताया गया कि 10 बोगियां यहीं पर छूट गई हैं। चुनार-शक्तिनगर रेल लाइन पर सोनबरसा रेलवे फाटक के पास सुबह पोल संख्या 2725 के करीब की 10 बोगियां अलग हो गईं। इंजन सहित 60 बोगियां लेकर मालगाड़ी लूसा पहुंच गई। गार्ड के मेमो पर रेल फाटक सोनबरसा द्वारा बताया गया कि 10 बोगियां यहीं पर छूट गई हैं। चुनार-शक्तिनगर रेल लाइन पर सोनबरसा रेलवे फाटक के पास सुबह पोल संख्या 2725 के करीब कर्मचारियों में खलबली मच गई। चालक की सूझबूझ से 35 मिनट बाद इंजन में 10 डिब्बे जोड़कर उसे आगे रवाना किया गया। मालगाड़ी कोयला लोड कर शक्तिनगर सिंगरौली से चुनार की तरफ जा रही थी। मिर्जापुर जनपद के सोनवर्षा फाटक के पास उसकी कपलिंग टूट गई। मालगाड़ी की 10 बोगियां अलग हो गईं। इंजन सहित 60 बोगियां लेकर मालगाड़ी लूसा पहुंच गई। गार्ड के मेमो पर रेल फाटक सोनबरसा द्वारा बताया गया कि 10 बोगियां यहीं पर छूट गई हैं। इसके बाद ट्रेन को बैक कर बोगियों की कपलिंग को जोड़ा गया। लूसा के स्टेशन किशन मास्टर संजय कुमार ने बताया कि सोनवर्षा के पास कपलिंग टूट गई थी। बाद में बोगियां जोड़कर मालगाड़ी को आगे के लिए रवाना किया गया।

पीएसी कैंप से असलहा लूटने वाले दो नक्सलियों को 10 साल का कारावास

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। 21 वर्ष पहले अहरौरा के खोराडीह गांव में तैनात पीएसी कैंप में फिल्मी स्टाइल में हमला कर असलहा लूटने के मामले की सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश जितेंद्र मिश्रा की अदालत ने दो नक्सलियों को 10-10 साल के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही छह-छह हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। वर्ष 2001 में मिर्जापुर और सोनभद्र में नक्सल गतिविधियां चरम पर थीं। नक्सलवाद से निपटने के लिए जंगल इलाके में अहरौरा थाना क्षेत्र के खोराडीह में डेढ़ सेक्शन पीएसी तैनात थी। 22 नवंबर 2001 को शाम को 40 से 50 लोग आए। इसमें पांच-छह महिलाएं और बच्चे थे। जो देखने में मजदूर लग रहे थे। उनके पास झापिया और फावड़ा आदि थे। पीएसी के जवानों के पूछने पर बताया कि मजदूर हैं। देखते-देखते सभी मजदूर पोस्ट के सामने रोड पर आ गए। बगल में हैंडपंप पर हाथ-पैर धोने लगे। फिर उनसे पूछा गया तो चार-पांच लोगों ने संतरी के ऊपर झापी फेंक कर दबोच लिया। अन्य लोग आते तब तक नक्सली टूट पड़े। हर कर्मचारी को आठ से 10 लोगों ने दबोच लिया। नक्सलियों ने संतरी का एसएलआर व 50 कारतूस लूट लिया। कैंप में अंदर घुसकर 13 एसएलआर, 1300 राउंड, एक स्टेनगन, पांच मैगजीन, 192 राउंड एसएलआर मैगजीन लूट लिया। जाते समय नारा भी लगाया। इसके बाद भवानीपुर और खोराडीह में झोपड़ियां जलाने लगे। मारपीट में घायल आरक्षी बाल बचन, अब्दुल सलाम, मेराज अहमद को ग्रामीणों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कई लोगों को गिरफ्तार किया। विवेचना कर पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। विशेष लोक अभियोजक विनोद कुमार यादव ने गवाह और सबूत अदालत में प्रस्तुत कर कड़ी से कड़ी सजा देने की अपील की। मामले की सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश जितेंद्र मिश्रा ने नक्सली महेंद्र सिंह खरवार निवासी ढोसरा थाना मांची जिला सोनभद्र और लालव्रत कोल उर्फ कलमजी उर्फ राजगुरू निवासी मझिगवां थाना चकरघट्टा जिला चंदौली को दोषी पाते हुए 10-10 वर्ष के कारावास और छह-छह हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

2.69 लाख बच्चों को दी जाएगी विटामिन ए की खुराक

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। जिले के 2.69 लाख बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी जाएगी। इसके लिए स्वास्थ्य एवं बाल विकास विभाग की तरफ से 28 दिसंबर से एक महीने का अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान के तहत नौ माह से पांच वर्ष तक के आयु वाले बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई जाएगी। सीएमओ डॉ.आरएस ठाकुर ने बताया कि शासन की तरफ से संपूर्ण कार्यक्रम के अंतर्गत 28 दिसंबर से 28 जनवरी तक अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से जिले में नौ माह से पांच वर्ष तक आयु वर्ग वाले कुल 2 लाख 69 हजार 23 बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी जाएगी। साथ ही आयरन फोलिक एसिड की सिरप का वितरण भी होगा। इसके अलावा आयोडीन नमक के लिए समुदाय में जागरूकता पैदा करना एवं छह माह तक केवल बच्चों को स्तनपान जागरूक करना और छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा।क्या है विटामिन ए सीएमओ डॉ. आरएस ठाकुर ने बताया कि विटामिन ए एक वसा में घुलनशील विटामिन है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। नौ माह से पांच वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की खुराक दिए जाने से उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोत्तरी होती है और वे स्वस्थ रहते हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, हत्या का आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। अहरौरा क्षेत्र के भगौती देई गांव में बुधवार को देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में विषाक्त पदार्थ का सेवन करने से विवाहिता

की मौत हो गई। मायके पक्ष के लोगों ने सास और देवर के खिलाफ तहरीर देकर दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न करने और जहर खिलाकर हत्या करने का आरोप लगाया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुटी है। अहरौरा के बाराडीह निवासी प्यारेलाल की पुत्री निशा का विवाह भगौती देई निवासी विजय कुमार पुत्र मल्लूराम के साथ तीन वर्ष पूर्व 2019 में हुई थी। दोनों से एक पुत्र सूर्यवंशम (2) है। पति विजय हैदराबाद में नौकरी करता है। इस समय वह वहीं था। बुधवार को देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में विषाक्त पदार्थ के सेवन से विवाहिता की हालत बिगड़ गई। बृहस्पतिवार को सुबह लगभग नौ बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना पर मौके पर पहुंचे विवाहिता के पिता प्यारेलाल ने ससुरालियों पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। ससुरालियों पर जहर देकर मारने का आरोप लगाया। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन व नायब तहसीलदार दीक्षा शुक्ला भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने मामले की जांच करने व दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष कुमुद शेखर सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर सास कुमारी देवी, देवर भरत के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत के कारण का पता चल सकेगा। मामले की जांच की जा रही है।

1.40 करोड़ की हेरोइन के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। क्राइम ब्रांच और म्योरपुर थाने की पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बुधवार की रात संयुक्त टीम ने अंतरप्रांतीय गिरोह से जुड़े पांच हेरोइन तस्करों को गिरफ्तार किया। इसमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। उनके पास से 1.40 करोड़ रुपये कीमत की करीब 1400 ग्राम हेरोइन बरामद हुआ। पुलिस ने उनके कब्जे से एक कार, स्कूटी और बाइक भी कब्जे में लिया है। पूछताछ के बाद पांचों को जेल भेज दिया गया। तस्कर बाराबंकी से हेरोइन लाकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बेचते थे। पुलिस लाइंस चुर्क में पत्रकारों के समक्ष घटना का खुलासा करते हुए एएसपी नक्सल विजय शंकर मिश्रा ने बताया कि मादक पदार्थ बेचने एवं खरीदने वाले गिरोह पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को पुलिस को बड़ी सफलता मिली। म्योरपुर थाने की पुलिस, एसओजी एवं स्वाट टीम ने रनटोला तिराहा के समीप से कार, स्कूटी व बाइक सवार पांच महिला-पुरुषों को हेरोइन के साथ पकड़ लिया। एएसपी ने बताया कि पकड़े गए विजय पटेल निवासी चकरा थाना सीवान, जितेंद्र नाथ उर्फ मुन्ना व मीरा देवी निवासी ग्राम कुंडाडीह टोला चंद्रभाननगर, थाना म्योरपुर, सुरेंद्र कुमार यादव उर्फ सोनू निवासी ग्राम अंजानी थाना म्योरपुर और मनीषा सिंह निवासी बूढादेयी थाना अहरौरा, जनपद मीरजापुर हाल-पता ग्राम कुंडाडीह टोला चंद्रभान के कब्जे से एक किलो 400 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

अंतरक्षेत्रीय वॉलीबाल में एनसीएल मुख्यालय विजेता

(आधुनिक समाचार सेवा)

शक्तिनगर। एनसीएल खड़िया कोयला क्षेत्र में आयोजित अंतरक्षेत्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का खिताब एनसीएल मुख्यालय की टीम के नाम रहा। एनसीएल निगाही की टीम उप विजेता रही। तीन दिनी प्रतियोगिता में एनसीएल के कोयला क्षेत्रों एवं इकाइयों की 12 टीमों के बीच कुल 15 मैच खेले गए। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला एनसीएल मुख्यालय व टीम निगाही बीच में हुआ। इसमें मुख्यालय की टीम ने 3-2 से खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता का सेमी फाइनल मुकाबला मुख्यालय बनाम जयंत और निगाही बनाम बीना खेला गया। समापन समारोह में एनसीएल के निदेशक (कार्मिक) मनीष कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता दोनों ही टीम के खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि फ़ाइनल मुक़ाबला बेहद रोमांचक रहा। इससे खिलाड़ियों की प्रतिभा व जुझारूपन का पता लगता है। महाप्रबंधक (कार्मिक) एनसीएल एसएस हसन, कंपनी जेसीसी के सदस्य अरुण कुमार दुबे, अजय कुमार, बीएस बिष्ट, अशोक कुमार पांडेय, सीएमओएआई के अध्यक्ष एसके सिंह, महासचिव सर्वेश सिंह आदि रहे। समापन समारोह में महाप्रबंधक खड़िया राजीव कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। शक्तिनगर। प्रतियोगिता के दौरान शानदार प्रदर्शन के लिए मुख्यालय के पंकज बैस को बेस्ट ऑलराउंडर और निगाही टीम के अरुण कुमार बैस को बेस्ट स्मैशर के खिताब से सम्मानित किया गया। एनसीएल में वर्ष भर अनेक खेल प्रतियोगिताओं जैसे क्रिकेट, लॉन टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, कैरम, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, कबड्डी आदि का आयोजन किया जाता है। इससे कर्मियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी के साथ ही टीम भावना भी प्रबल होती है।

21 महीने बाद मैदान पर लौटेगा इंग्लैंड का यह तेज गेंदबाज

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। जनवरी के लास्ट में इंग्लैंड साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगा। इसके लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा कर दी गई। टीम में 2019 के हीरो रहे जोफरा आर्चर क्रिकेट में वापसी कर रहे तेज गेंदबाज जोफरा आर्चर को टॉपले, सैम करन और क्रिस वोक्स के साथ टीम में शामिल किया गया है। टीम में दो स्पिनर मोइन अली और आदिल रशीद को शामिल किया गया है। टी20 विश्व कप के

दौरान चोटिल हुए जॉनी बेयरस्टो को टीम में जगह नहीं दी गई है। डेविड मलान, जेसन रॉय, फिल सॉल्ट, हैरी ब्रूक और बेन डकेट टीम के लिए टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज होंगे। तीन मैचों की सीरीज का पहला मैच 27 जनवरी को खेला जाएगा। दूसरा मैच 29 जनवरी और सीरीज का आखिरी मैच 1 फरवरी को खेला जाएगा। दोनों टीमें अगले साल होने वाले आईसीसी एकदिवसीय विश्व के लिहाज से क्रिकेट खेलेंगी वहीं, साउथ अफ्रीका इस सीरीज को जीतकर विश्व कप टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की करने को देखेगी। अफ्रीका अभी क्रिकेट वर्ल्ड कप सुपर लीग की प्वाइंट्स टेबल में 11वें स्थान पर है।बटलर (कप्तान), मोईन, आर्चर, ब्रुक, सैम करन, डकेट, मालन, राशिद, रॉय, साल्ट, स्टोन, टॉपले, विली, वोक्स। की वापसी हुई है। जोफरा आर्चर इंजरी की वजह से 2021 से क्रिकेट के मैदान से दूर थे। फिलहाल, वह पूरी तरह स्वस्थ हो गए हैं और मैदान में धमाल मचाने को बेताब हैं। इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से साल 2023 का आगाज करेगी। इंग्लैंड जनवरी महीने के आखिरी सप्ताह में साउथ अफ्रीका का दौरा करेगी। इसके लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। जोस बटलर टीम का नेतृत्व करेंगे।लंबे समय के बाद

गिल और राहुल क्रीज पर मौजूद, 19 रन से आगे खेलना शुरू करेगा भारत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन के खेल में आज टीम इंडिया 19 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू

करेगी। पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने बिना किसी नुकसान के 19 रन बना लिए थे। शुभमन गिल 14 और केएल राहुल 3 रन बनाकर नाबाद हैं। दूसरे दिन का खेल इससे पहले बांग्लादेश के कप्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम केवल 227 रन बनाकर आउट हो गई। भारत की तरफ से उमेश यादव और रविचंद्रन अश्विन ने 4-4 जबकि जयदेव उनादकट ने 2 विकेट हासिल किए हैं। बांग्लादेश की तरफ से मोमिनुल हक ने सर्वाधिक 84 रन की पारी खेली। बांग्लादेश की पारी 227 पर सिमटी बांग्लादेश की तरफ से नजमुल हुसैन शांतो और जाकिर हुसैन ने पहले विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी की लेकिन 12 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे उनादकट ने जाकिर हसन को केएल राहुल के हाथों कैच करा दिया। इसी स्कोर पर बांग्लादेश की टीम को एक और झटका लगा जब अश्विन ने शांतो को 24 रन के निजी स्कोर पर एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। तीसरे विकेट के लिए शाकिब और मोमिनुल ने 43 रन की साझेदारी की, लेकिन उमेश यादव ने 16 रन के निजी स्कोर पर शाकिब को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। चौथे और 5वें विकेट के लिए क्रमशः मुशफिकुर और लिटन दास आउट हुए। मुशफिकुर ने 26 और लिटन ने 25 रन की पारी खेली।टीम इंडिया इस मैच में एक बदलाव जबकि बांग्लादेश की टीम दो बदलाव के साथ उतरी है। पिछले मैच के 'मैन ऑफ द मैच' रहे कुलदीप यादव के स्थान पर जयदेव उनादकट को मौका मिला है। वह 12 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं।

भारत के लिए सिर दर्द बनी राहुल की चोट, दूसरे टेस्ट मैच में ये हो सकती है प्लेइंग इलेवन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली।भारत गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में उतरेगा। उसकी निगाह जीत के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की करने पर होगी। इंडिया घ्ण्ेऊण् के प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। बांग्लादेश के खिलाफ एक और जीत इस स्थान पर बने रहने को मजबूती प्रदान करेगा। पहले टेस्ट में चेतेश्वर पुजारा ने तीन साल बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक जड़ा। दूसरी पारी के दौरान पुजारा ने नाबाद 102 रन की पारी खेली। जबकि शुभमन गिल ने अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा। ऋषभ पंत ने 46 रनों की तेज पारी खेली। श्रेयस अय्यर और रविचंद्रन अश्विन ने भी बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं, बुधवार को प्रैक्टिस के दौरान केएल राहुल चोटिल हो गए। द्रविड़ ने कहा कि परेशानी की कोई बात नहीं है, चोट ज्यादा गंभीर नहीं है।चाइनामैन कुलदीप यादव ने 22 महीनों के बाद टेस्ट में वापसी करते हुए शानदार आलराउंड प्रदर्शन किया। पहली पारी में पांच विकेट लिए और बल्ले से करियर की सर्वश्रेष्ठ 40 रन की पारी खेली। इसके अलावा सिराज, अक्षर और उमेश यादव ने भी प्रभावित किया। बांग्लादेश को करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वहीं, बांग्लादेश की बात करें तो लिटन दास, मुशफिकुर रहीम और नजमुल हुसैन शांतो बल्लेबाजी में संघर्ष करते नजर आए। बांग्लादेश को ढाका टेस्ट में वापसी

करनी है तो बल्लेबाजों को बेहतर खेलना होगा। गेंदबाजी में इबादत हुसैन के चोटिल होने के कारण तस्कीन अहमद को प्लेइंग इलेवन में जगह दी गई। भारत की पहली पारी में उन्होंने बल्लेबाजों को प्रभावित किया था, लेकिन दूसरी पारी में कुछ खास कमाल नहीं कर पाए।कप्तान शाकिब अल हसन ने दूसरी पारी में बल्लेबाजी से योगदान दिया था। उन्होंने भारत की दूसरी पारी के दौरान गेंदबाजी नहीं की थी। ढाका की पिच पर वह बॉलिंग करते हुए दिखाई दे सकते हैं, क्योंकि शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम पर स्पिनरों को मदद मिलती है। भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन- शुभमन गिल, केएल राहुल , चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, ऋषभ पंत (ख), श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, आर अश्विन, कुलदीप यादव, उमेश यादव, मोहम्मद सिराज।महमूदुल हसन, जाकिर हसन, नजमुल हुसैन, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, लिटन दास (विकेटकीपर), शाकिब अल हसन (कप्तान), मेहदी हसन, तैजुल इस्लाम, खालिद अहमद, तस्किन अहमद या नासुम अहमद।

अब तक की सबसे बड़ी बोली से लेकर किस टीम के पास बचा है कितना पैसा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 के लिए शुक्रवार को होने वाली मिनी नीलामी में जब दस टीमें टेबल पर बैठेंगी, तो उनके बीच बड़े खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल करने की होड़ देखने को मिल सकती है। बेन स्टोक्स, सैम करन और कैमरून ग्रीन बड़ी बोली की होड़ में सबसे आगे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद टीम के पास सबसे ज्यादा पैसे हैं। वहीं सबसे कम पैसा ख्ख्ं के पास है। पीठ की चोट के कारण पिछले सत्र में न खेल पाने वाले कुर्रन का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये है। कुर्रन के अलावा उनके हमवतन बेन स्टोक्स और बेहतरीन फार्म में चल रहे बल्लेबाज हैरी ब्रूक पर भी मोटी बोली लग सकती है। ब्रूक ने हाल ही में पाकिस्तान के विरुद्ध टेस्ट सीरीज में तीन शतक जड़े हैं। स्टोक्स का आधार मूल्य दो करोड़ रुपए जबकि ब्रूक का 1.5 करोड़ रुपए है। आस्ट्रेलियाई आलराउंडर कैमरून ग्रीन पर भी सभी की निगाहें रहेंगी।नीलामी में शामिल अन्य बड़े नामों में न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन भी शामिल हैं। उनका आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है। सनराइजर्स हैदराबाद ने विलियमसन और वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन को 'रिलीज' कर

दिया था। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट भी नीलामी का हिस्सा होंगे। जिम्बाब्वे के आलराउंडर सिकंदर रजा भी फ्रेंचाइजी टीमों को आकर्षित कर सकते हैं। बीते 12 महीनों में टी-20 क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है भारतीय खिलाड़ियों में मयंक अग्रवाल पर कई टीमों की नजरें होंगी। अग्रवाल का आधार मूल्य एक करोड़ रुपये है। विलियमसन को रिलीज करने के बाद हैदराबाद को एक कप्तान की जरूरत है। मयंक पिछले सत्र में पंजाब की कप्तानी कर चुके हैं, ऐसे में सनराइजर्स उन पर मोटी रकम खर्च कर सकती है आइपीएल नीलामी में शामिल खिलाड़ियों में अफगानिस्तान के 15 वर्षीय अल्लाह मोहम्मद सबसे युवा हैं। उनका आधार मूल्य 20 लाख रुपये रखा गया है। वहीं, आइपीएल में तीन बार हैट्रिक ले चुके 40 वर्षीय अमित मिश्रा सबसे बुजुर्ग खिलाड़ी है आईपीएल के इतिहास में कुछ खिलाड़ियों पर सबसे बड़ी बोली लगी है। इनमें साल 2021 में राजस्थान रायल्स ने क्रिस मोरिस को 16.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। 2015 में दिल्ली कैपिटल्स ने युवराज सिंह को 16 करोड़ में खरीदा था। दिनेश कार्तिक को आरसीबी ने 10.5 करोड़ रुपये में 2019 में खरीदा। वरुण चक्रवर्ती को पंजाब किंग्स 8.4 करोड़ में 2020 में, 2021 में शिमरन हेटमायर को दिल्ली कैपिटल्स ने 7.75 करोड़ रुपये में, झाय रिचर्डसन को 2021 में पंजाब किंग्स ने 14 करोड़ में खरीदा था।

भारत-पाकिस्तान सीरीज पर दोनों देशों की सलाह लेंगे: पीसीबी चीफ नजम सेठी

(आधुनिक समाचार सेवा)

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की प्रबंध समिति के प्रमुख

नजम सेठी ने गुरुवार को कहा, जब भारत के साथ क्रिकेट संबंधों की बात आएगी तो वह सरकार की सलाह पर काम करेंगे। रमीज राजा को बुधवार को पीसीबी अध्यक्ष पद से हटाकर देश में अगले चार महीनों तक क्रिकेट का संचालन करने के लिए सेठी की अगुवाई में 14 सदस्यीय समिति बनाई गई है। इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट सीरीज में मिली करारी हार के बाद रमीज राजा की कुर्सी चली गई सेठी ने लाहौर में पत्रकारों से कहा, जब भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय और अन्य क्रिकेट रिश्तों की बात आएगी तो दोनों देशों की सरकारों से सलाह ली जाएगी। भारत ने 2008 एशिया कप के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है और इसी साल 26 नवंबर को मुंबई आतंकी हमले के बाद 2009 के शुरू में होने वाली द्विपक्षीय सीरीज भी रद कर दी गई थी। पाकिस्तान ने 2012 में भारत का दौरा किया था लेकिन बीते 10 वर्षों में द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेला गया है। दोनों टीमें केवल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद और एशियाई क्रिकेट परिषद के टूर्नामेंट में ही एक दूसरे से भिड़ी हैं। एशिया कप 2023 की मेजबानी पाकिस्तान को मिली है। अक्टूबर 2022 में बीसीसीआइ के सचिव जय शाह ने इस पर एक बयान दिया था जिसके बाद लगातार पीसीबी की तरफ से प्रतिक्रियाओं का दौरा जारी है। शाह ने कहा था कि टीम इंडिया एशिया कप खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी और जरुरत पड़ी तो इसे न्यूट्रल वेन्यू पर शिफ्ट किया जाएगा।इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पीसीबी की तरफ से प्रतिक्रिया आई थी कि यदि टीम इंडिया, पाकिस्तान नहीं जाएगी तो पाकिस्तान भी अगले साल भारत में होने वाले वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लेगा। लेकिन अब पीसीबी के नए चेयरैन की इस पर क्या राय होती है, यह देखना दिलचस्प होगा। बात सेठी की करें तो वह 2013 और 2018 के बीच बोर्ड चेयरमैन और सीईओ रह चुके हैं। पर 2018 में इमरान खान की अगुआई वाली सरकार के आने के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था।

इशांत शर्मा समेत दिल्ली के 16 खिलाड़ियों की आईपीएल नीलामी में लगेगी बोली

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के लिए मिनी नीलामी का आयोजन शुक्रवार को कोच्चि में किया जाएगा। आईपीएल में खेल रही 10 टीमें इस नीलामी में 405 खिलाड़ियों पर बोली लगाएंगी। इस नीलामी के लिए जिन 405 खिलाड़ियों को शार्ट लिस्ट किया गया था। उसमें दिल्ली के 16 खिलाड़ी शामिल ह आईपीएल

2023 के लिए हो रहे इस मिनी नीलामी में दिल्ली के जो 16 खिलाड़ी शामिल हैं। उसमें भारतीय तेज गेंदबाज इशांत शर्मा और ऑलराउंडर पवन नेगी के नाम भी है। इन खिलाड़ियों में सिर्फ इशांत और पवन नेगी ने ही भारत के लिए खेला है, जबकि अन्य 14 खिलाड़ी अनकैप्ड हैं। बतौर कैप्ड खिलाड़ी इशांत शर्मा ने अपना बेस प्राइस 50 लाख रूपये रखा है, जबकि पवन नेगी का भी आधार मूल्य इतना ही है।

कुलदीप यादव को बाहर करने के फैसले को सुनील गावस्कर ने बताया अविश्वसनीय

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारत के कप्तान केएल राहुल ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में जब अपने प्लेइंग इलेवन के बारे में बताया तो सब हैरान रह गए। दरअसल प्लेइंग इलेवन

में पिछले मैच के जीत के हीरो कुलदीप यादव का नाम नहीं था। उनके स्थान पर 12 साल बाद टेस्ट में वापसी कर रहे जयदेव उनादकट को शामिल किया गया। फैंस के साथ-साथ टीम मैनेजमेंट के इस फैसले पर भारत के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर को भी हैरानी हुई। उन्हें ड्रॉप करने के फैसले को गावस्कर ने 'अविश्वसनीय' करार दिया। 22 महीनों के बाद अपनी टेस्ट वापसी पर कुलदीप ने 'प्लेयर आफ द मैच' का पुरस्कार जीता, चटगांव के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में पहले टेस्ट में 188 रन की जीत के बाद भारत ने दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल की। कुलदीप ने चटगांव में टेस्ट मैच में आठ विकेट चटकाए, जबकि कुल 113 रन दिए, उन्होंने पहली पारी में पांच विकेट झटके। उन्होंने बल्ले से भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, पहली पारी में करियर के सर्वश्रेष्ठ 40 रन बनाकर और रविचंद्रन अश्विन के साथ आठवें विकेट के लिए 92 रन जोड़कर भारत को 404 रन बनाने में मदद की।ब्रॉडकास्टर सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने टॉस के बाद गावस्कर के हवाले से कहा, मैन आफ द मैच' को टीम में शामिल नहीं किया, जिसने 20 में से आठ विकेट झटवे उनादकट ने लिया पहला विकेट कुलदीप यादव के स्थान पर शामिल किए गए तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने भी अपने प्रदर्शन से निराश नहीं किया। उन्होंने पहले दिन 16 ओवर की गेंदबाजी में 50 रन दिए और 2 महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किया। उन्होंने जाकिर हसन को आउट कर अपने टेस्ट करियर का पहला विकेट लिया।

राशिफल

मेष-:तली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-:जीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-:क्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क-:आज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-:आपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में क़ामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-:प्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-: जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-:छात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-:इससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-:लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-:भावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-:आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

सम्पादकीय

सर्वकालिक महानतम की बहस पर विराम, खेल में केवल इतना ही पर्याप्त नहीं कि आपने क्या हासिल किया

इस डिजिटल युग में अपने विचारों की अभिव्यक्ति में कुछ दिनों की देरी भी बहुत विलंबित मानी जाती है। विशेषकर तब जब किसी विषय के संदर्भ में तमाम विशेषज्ञ पहले ही अपनी राय व्यक्त कर चुके हों तो आपके पास कहने के लिए बचता ही क्या है? जब प्रशस्ति में नई-नई उपमाएं गढ़ ली गई हों। जब बारीक से बारीक पहलू की ऐसी भावप्रवण अभिव्यक्ति हो चुकी हो, जिसका विश्व भर में करोड़ों उत्साही लोगों ने अनुभव किया हो, तब कुछ नया लिखने की चुनौती और बड़ी हो जाती है। यहां बात उस खेल की हो रही है, जिसके एक दिग्गज प्रशिक्षक सर एलेक्स फर्ग्युसन ने इसके रोमांच को व्यक्त करने के लिए जुमला गढ़ा था-'फुटबाल-ब्लडी हेल।' दरअसल, यह खेल कभी विस्मित और रोमांचित करना बंद नहीं करता। फिर भी, अपनी तमाम चकाचौंध और ग्लैमर, प्रचार और महिमामंडन, ऐश्वर्य और शक्ति के बावजूद यह एक सामान्य खेल ही तो है, जिसमें 22 खिलाड़ी एक गेंद के लिए मुकाबला करते हैं और समूचा विश्व मंत्रमुग्ध होकर देखता है। प्रतिस्पर्धी खेलों की प्रकृति के अनुरूप इसमें भी अक्सर अंत में एक पक्ष को आनंद और दूसरे को निराशा की अनुभूति होती है। कतर में बीते रविवार की रात पुनः इसी सत्य की पुष्टि हुई। खेलों के सबसे भव्य आयोजन का सबसे बड़ा मंच संभवतः सबसे रोमांचक मुकाबले का साक्षी बना। इस लेख में मैं चर्चा उस विषय की करना चाहता हूं, जो खेल प्रेमियों के लिए शाश्वत आकर्षण लिए रहता है और वह है सर्वकालिक महानतम खिलाड़ी को लेकर बहस और इतिहास से विलक्षण समानताएं। क्या लियोनेल मेसी सर्वकालिक महानतम फुटबालर हैं? हम तार्किक आधार पर यह निष्कर्ष अवश्य निकाल सकते हैं कि कोई भी समकालीन खिलाड़ी उनके चमत्कारिक प्रदर्शन और असाधारण उपलब्धियों के आगे कहीं नहीं ठहरता। क्या मेसी, पेले और माराडोना की श्रेणी में सम्मिलित होकर फुटबाल की तथाकथित त्रिमूर्ति बनाते हैं या उनका दर्जा इन दोनों से भी ऊपर हो जाता है? इस विमर्श के संदर्भ में यह स्मरण रखना चाहिए कि पेले ने तीन बार विश्व कप जीता और यह मेसी का पहला खिताब है। इतना ही नहीं, पेले इतने अद्भुत स्कोरर थे, जिनके बारे में दंतकथाएं हैं कि उनके असल आंकड़ों की कोई थाह नहीं। वहीं, माराडोना को इसका श्रेय जाता है कि वह अपेक्षाकृत लचर अर्जेंटीना और नापोली को अपनी अद्वितीय प्रतिभा एवं प्रेरक नेतृत्व के दम पर शिखर तक ले गए। आंकड़े भले झूठ न बोलते हों, किंतु कुछ पहेलियां अवश्य उलझा देती हैं। एक सत्य यह भी है कि चोट के चलते पेले 1962 का विश्व कप बमुश्किल ही खेल पाए। इसलिए उस विजय में उनका योगदान न के बराबर था। वहीं 1970 की विश्व विजेता ब्राजील की टीम एक तरह से 1948 में ब्रैडमैन के नेतृत्व वाली अपराजेय क्रिकेट टीम के समकक्ष थी। यह उनकी उत्कृष्टता का अवमूल्यन नहीं, लेकिन वह टीम उनकी उपस्थिति के बगैर भी जीतने की क्षमता रखती थी। जहां तक माराडोना की बात है तो अपनी असाधारण प्रतिभा के बावजूद वह अपने सर्वोत्तम दौर को पेले या मेसी जितना लंबा विस्तार नहीं दे पाए। वहीं, मेसी के पास ट्राफियों का ऐसा आकर्षक अंबार है, जैसा इतिहास में किसी के पास नहीं रहा। पेले कभी यूरोपीय लीग नहीं खेले तो माराडोना कोपा अमेरिका अपने नाम नहीं कर पाए। जबकि मेसी ने फुटबाल की हर उपलब्धि हासिल की है, चाहे वह क्लब स्तर पर हो या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, व्यक्तिगत स्तर पर हो या सामूहिक स्तर पर। खेल, कला के सौंदर्य और विज्ञान की सटीकता का अद्भुत संगम बनाते हैं। यहां केवल यही पर्याप्त नहीं कि आपने क्या हासिल किया, परंतु इसका भी महत्व होता है कि उसे कैसे हासिल किया। यहां मेसी का पलड़ा अन्य महान खिलाड़ियों पर भारी पड़ता है। वह अपनी कला-कौशल के अप्रतिम अग्रदूत हैं। उनका खेल मैदान पर किसी बहते छंद की मानिंद है, जो खेल के पारखियों को परम आनंद की अनुभूति कराता है। मैदान पर अपने कौशल का नायाब प्रदर्शन और बाहर सौहार्दपूर्ण आचरण। विजय में विनम्रता और पराजय में गरिमा का आवरण। कुछ पैमानों पर रोजर फेडरर से उनकी तुलना मुझे उपयुक्त लगती है। फेडरर-नडाल और मेसी-रोनाल्डो प्रतिद्वंद्विता में गजब की समानता दिखती है।

क्रूरता की हदें पार करता ईरान विरोध-प्रदर्शनों के खिलाफ ले रहा यौन हिंसा का सहारा

ईरान में सुरक्षाबलों द्वारा प्रदर्शनकारियों के साथ दुष्कर्म किए जाने को लेकर एक झकझोर देने वाली रिपोर्ट में सीएनएन ने बताया है कि कैसे एक 20 वर्षीय युवती को विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में पहले गिरफ्तार किया गया, फिर उसके साथ मारपीट कर उसका सिर मुंडवाया गया। जब उसके यौनांग से रक्तस्राव हुआ तो उसे एक अस्पताल ले जाया गया। अब वह जेल में है। मानवाधिकार संस्था और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने स्वतंत्र रूप से इस तरह के कई यौन उत्पीड़न मामलों का दस्तावेजीकरण किया है न्यूयार्क के वाचडाग आर्गेनाइजेशन और ईरान में मानवाधिकार केंद्र की समर्थक घामी ने मुझे तेहरान के निकट रहने वाली 14 वर्षीय एक गरीब लड़की के बारे में बताया, जिसने स्कूल में अपना हेडस्कार्फ उतारकर विरोध किया था। इस लड़की की पहचान मासूमेह के तौर पर हुई। इसके तुरंत बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। बाद में उसके यौनांग से स्राव के चलते अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इसके बाद जब उसकी मां ने कहा कि वह जनता के बीच जाना चाहती है तो वह गायब हो गई यौन हिंसा के मामलों को सत्यापित करना काफी मुश्किल होता है, क्योंकि पीड़ित को इसे बताने में संकोच के साथ ही डर भी सताता है। अधिकारी कई बार इन पीड़ित प्रदर्शनकारियों को ब्लैकमेल करने के लिए प्रताड़ना के दौरान की उनकी फिल्म तक बनाते हैं। ईरान में जारी प्रदर्शन की वजह केवल हिजाब का विरोध करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उस शासन को उखाड़ फेंकने के लिए भी है, जो पूरी तरह भ्रष्ट, दमनकारी और क्रूर है। यदि कोई सरकार कुछ गलत कर रही है तो देश की जनता को सीधे उसके मुंह पर वार करना चाहिए। ईरान की जनता यही करने की कोशिश कर रही है। मुझे यह देखकर हैरानी और निराशा होती है कि आज ईरान की इस क्रांति को अमेरिका समेत अन्य देशों से कुछ खास समर्थन नहीं मिल रहा है। मुझे इसके पीछे कुछ कारण भी नजर आते हैं। इनमें पहला यह है कि ईरान ने अधिकतर विदेशी पत्रकारों को अपने यहां प्रतिबंधित कर दिया है। इसलिए वहां सड़कों पर अपनी जिंदगी को जोखिम में डालने वाले स्कूली बच्चों के विरोध को रिकार्ड करने वाले नहीं हैं। मुझे यह भी लगता है कि पत्रकारों ने सामूहिक रूप से इस कहानी को उतना महत्व नहीं दिया, जिसकी वह हकदार है दूसरा कारण ईरानियों के प्रति अमेरिकियों के मन में भरी कड़वाहट और यह गलत धारणा भी है कि वे अमेरिका की बर्बादी का नारा लगाने वाले कट्टरपंथी हैं। वास्तव में ईरान संभवतः पश्चिम एशिया में सबसे बड़ा अमेरिकी समर्थक देश हो सकता है। आम ईरानी अमेरिकियों से मिलने के लिए रोमांचित रहते हैं। मैंने एक बार अमेरिका विरोधी एक संग्रहालय की सुरक्षा में तैनात एक युवा रिवोल्यूशनरी गार्ड से बातचीत की। वहां अमेरिका को शैतान के रूप में बदनाम करने वाले विशाल बैनर लगे हुए थे। उसने मुझसे सलाह मांगी कि अमेरिका कैसे जाया जा सकता है? ईरान में आज जो विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं, उनमें निडर युवा लड़कियां सबसे आगे हैं। जब अर्धसैनिक बल के एक सदस्य ने किसी स्कूल का दौरा किया तो वहां लड़कियों ने विरोधस्वरूप अपने हिजाब उतार दिए और उसे जमकर गालियां सुनाईं। कराज के एक गर्ल्स कालेज में लड़कियों ने एक अधिकारी पर पानी की बोतलें फेंकी और उसे बाहर धकेल दिया। नसरीन सोतौदेह ईरान में मानवाधिकार मामलों के वकील हैं। 10 साल की सजा के बाद वह मेडिकल फरलो पर हैं। नसरीन और अन्य लोग चाहते हैं कि बाइडन प्रशासन ईरानी सरकार को अवैध ठहराने का काम करे। लोग यह भी चाहते हैं कि पश्चिम की सरकारें ईरान से अपने राजदूतों को वापस बुला लें। ईरानी-अमेरिकी फैशन डिजाइनर ताला रासी का कहना है कि बाइडन प्रशासन ने इस बारे में कुछ नहीं किया है। उन्हें 16 वर्ष की उम्र में निजी पार्टी में टीशर्ट और मिनी स्कर्ट पहनने के आरोप में गिरफ्तार कर 40 कोड़ों की सजा दी गई थी। एक ईरानी-अमेरिकी लेखक अमीर सोल्टानी ने कहा कि 'मैं दमन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन को अन्य देशों के साथ काम करते देखना चाहता हूं।' उन्होंने सुझाव दिया कि 'जिस तरह रीगन ने 'मिस्टर गोर्बाचेव, टीयर डाउन दिस वाल, का भाषण दिया था, उसी तरह बाइडन 'अयातुल्ला मुक्त ईरान' की बात कर अमेरिकी संकल्प का संकेत दे सकते हैं। पश्चिमी जगत ईरान के उन अधिकारियों को प्रतिबंधित करने की भी कोशिश कर सकता है, जो विदेश में पार्टी करते हैं या वहां संपत्ति खरीदते हैं। खुफिया एजेंसियों को ईरान में बड़े पैमाने पर हो रही दमन की कार्रवाई को लेकर अधिक जासूसी करनी चाहिए और वहां के अधिकारियों को जवाबदेह बनाने के लिए हरसंभव कोशिश करनी चाहिए। ईरान पर दबाव बनाना मुश्किल है, क्योंकि वह पहले से ही अलग-थलग है, फिर भी कोशिश होनी चाहिए, क्योंकि अब ईरान ने जनता को डराने के लिए प्रदर्शनकारियों की हत्या भी शुरू कर दी है। दो प्रदर्शनकारियों को अब तक ईरान में फांसी दी जा चुकी है और करीब 35 को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। ईरान की क्रांति के चार दशक से भी अधिक समय के बाद ईरानी उस गहरी खाई से खुद को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें वे वर्षों से फंसे हुए हैं और जिसका नेतृत्व स्कूली छात्राओं द्वारा किया जा रहा है, जो तमाम खतरों के बावजूद अपनी मांग पर डटी हुई हैं। विरोध-प्रदर्शन करने वाली इन महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक समर्थन मिलना चाहिए।

इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी में सोमवार को हुई हिंसा व हंगामे का मामला

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को दी गई मामले की जानकारी बीजेपी विधायक सुरेंद्र चौधरी ने अमित शाह व धर्मेंद्र प्रधान से नई दिल्ली में अलग- अलग मुलाकात कर मामले की जानकारी दी बीजेपी विधायक ने अमित शाह को बताया कि 4 गुना फीस बढ़ोतरी को लेकर ही यह हिंसा हुई है 4 गुना फीस बढ़ोतरी के विरोध में छात्र पिछले 4 महीनों से आंदोलन कर रहे हैं यूनिवर्सिटी प्रशासन ने छात्रों से बातचीत करने और उन्हें भरोसे में लेने की कोई कोशिश नहीं की है फीस बढ़ोतरी और यूनिवर्सिटी प्रशासन के अड़ियल रवैये को लेकर छात्रों में जबरदस्त नाराजगी है यूनिवर्सिटी के प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड्स द्वारा कथित तौर पर फायरिंग किए जाने और छात्रों के साथ मारपीट किए जाने की वजह से ही सोमवार की घटना हुई है छात्रों में पनप रहे आक्रोश की वजह से ही यह घटना हुई है वाइस चांसलर समेत यूनिवर्सिटी प्रशासन का नकारात्मक व अड़ियल रवैया छात्रों के गुस्से की सबसे बड़ी वजह है बीजेपी विधायक सुरेंद्र चौधरी ने केंद्रीय गृह मंत्री से कहा के 4 गुना फीस बढ़ोतरी से तमाम छात्रों को दिक्कतें हो रही हैं हालांकि अपने भविष्य व कैरियर को देखते हुए तमाम छात्र मजबूरी में मुंह बंद किए हुए हैं कुलपति की नियुक्ति को लेकर जुड़े विवाद को लेकर भी केंद्रीय गृहमंत्री को जानकारी दी है बीजेपी विधायक ने केंद्रीय गृह मंत्री से इस मामले में दखल दिए जाने की अपील की है बीजेपी विधायक सुरेंद्र चौधरी ने नई दिल्ली में ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भी मुलाकात की है उन्हें भी इस घटना की पूरी जानकारी दी है शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भी इस मामले में दखल दिए जाने की अपील की है उम्मीद जताई जा रही है कि अमित शाह इस मामले को लेकर जल्द ही शिक्षा मंत्री से बात कर सकते हैं सुरेंद्र चौधरी ने दोनों नेताओं से कहा है कि छात्रों पर मनमाने तरीके से फीस वसूलकर और उनसे कोई संवाद न कर उनके साथ नाइंसाफी की जा रही इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी की गरिमा को ध्यान में रखते हुए यहां के छात्रों का उत्पीड़न बंद होना चाहिए सुरेंद्र चौधरी ने वाइस चांसलर प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव की नियुक्ति विवाद के बारे में भी मंत्रियों को जानकारी दी है बीजेपी विधायक सुरेंद्र चौधरी का दावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उनकी बातों को सुनने के बाद रिपोर्ट मंगाकर उचित कदम उठाए जाने की बात कही है छात्रों के मुद्दे को लेकर पार्टी के गृह मंत्री और शिक्षा मंत्री के साथ ही शीर्ष नेताओं को जानकारी देने के लिए विधायक सुरेंद्र चौधरी खासतौर पर दिल्ली गए हुए हैं आज वह कई अन्य नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं विधायक सुरेंद्र चौधरी से पहले बीजेपी सांसद रीता बहुगुणा जोशी फीस बढ़ोतरी और छात्रों पर कथित तौर पर हुई फायरिंग को गलत बता चुकी हैं यूनिवर्सिटी प्रशासन के व्यवहार पर नाराजगी जता चुकी हैं बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने भी छात्रों के आंदोलन का पहले ही समर्थन किया है कांग्रेस सांसद राजमणि पटेल, प्रमोद तिवारी और इमरान प्रतापगढ़ी के साथ ही असम के निर्दलीय सांसद नाबा कुमार भी इस मुद्दे को संसद में उठा चुके हैं कुलपति की नियुक्ति को है कटघरे में खड़ा किया जा चुका है इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ का चुनाव भी लड़ चुके हैं विधायक सुरेंद्र चौधरी।

किसान और उपभोक्ता, दशा और दिशा

कोरोना के महासंकट में देश की विकास दर ऋण 23 फीसदी की खाई में कुछ समय गिर गई थी, तब देश की गिरती अर्थव्यवस्था को गोद में उठाकर लुढ़कने से बचाते हुए तीन फीसदी वृद्धि दर की ऑक्सीजन देने का काम कृषि क्षेत्र ने ही किया। आज 23 दिसंबर को 'राष्ट्रीय किसान दिवस' है, और कल, यानी 24 दिसंबर को 'वैश्विक उपभोक्ता दिन' होगा। इनके लगे हुए जुड़कर होने को महज संयोग न समझें, बल्कि इसमें निहित है महत्वपूर्ण संबोधन। इसे गहराई से समझना दिलचस्प बात है। स्वाधीनता मिली, तब 1950 में देश की खाद्यान्न उपज थी पांच करोड़ टन, उसे किसानी क्षेत्र ने इस साल तक 31 करोड़ टन के ऊपर पहुंचाने का अनोखा पराक्रम कर दिखाया। आज 142 करोड़ टन के पार पहुंची हुई महाकाय भारतीय आबादी का पेट भरने वाले इस क्षेत्र को वंदन!

142 करोड़ उपभोक्ताओं को हर रोज दिन में तीन बार, साल के 365 दिन, सालों-साल पेट पूजा करवाने का यह अनोखा काम करने वाले ये सारे अन्नदाता ही नहीं हैं, वरन अन्न-सुरक्षा-सेना के आदरणीय सैनिक हैं। किसान और उपभोक्ता का यह अटूट, बेजोड़, जीवंत नाता सारे देश के उपभोक्ताओं को समझना जरूरी है। कोरोना के महासंकट में देश की विकास दर ऋण 23 फीसदी की खाई में कुछ समय गिर गई थी, तब देश की गिरती अर्थव्यवस्था को गोद में उठाकर लुढ़कने से बचाते हुए तीन फीसदी वृद्धि दर की ऑक्सीजन देने का काम कृषि क्षेत्र ने ही किया। इसलिए यह भी समझना चाहिए कि ऐसे दिव्य काम करने वाले कृषि क्षेत्र को किन चुनौतियां का सामना करना पड़ रहा है। किसान व खेतिहर श्रमिक दो प्रकार के जुल्मों से ग्रस्त और त्रस्त हैं।

दिव्य उपायः- शहद चमका सकता है भाग्य, नौकरी शनि दोष से मुक्ति, पॉजिटिव एनर्जी में है कारगर

सर्दियों में शहद को सेहत के लिए वरदान बताया जाता है। यदि बात भाग्य चमकने की हो तो शहद के ज्योतिष उपायों की कोई सानी नहीं। ज्योतिषी पंडित सुधांशु तिवारी जी के अनुसार, शहद ना सिर्फ आपकी सेहत को फायदा देता है बल्कि इससे जुड़े उपाय आपकी कई समस्याओं का अंत कर सकते हैं। जानते है ऐसे चमत्कारी उपायों के बारे में। 1. पॉजिटिव एनर्जी का वास शहद के प्रयोग से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसके लिए चांदी की कटोरी में शहद भरकर पूजा कक्ष में रख दे। इस प्रयोग से घर में सुख-शांति का भी वास होता है। 2. कारोबार की मंदी का उपाय कारोबार में मंदी चल रही है, जिसकी वजह से लाभ नहीं हो रहा है तो शहद का यह उपाय आपको जरूर लाभ दे सकता है। इसके लिए आप शहद को दही के साथ मिला लें और किसी नदी या तालाब में प्रावहित कर दें। ऐसा करने से व्यापार में आपको लाभ होगा और नौकरी में भी अच्छे अवसर मिलना शुरू हो सकते हैं। 3. कलह का निवारण अगर घर के सदस्यों के बीच हर रोज लड़ाई-झगड़ा होता है, जिससे घर की शांति खत्म होती जा रही है, तो आप हर रोज सुबह शहद का सेवन करें। ऐसा करने से घर में शांति बनी रहेगी। साथ ही मांगलिक दोष से प्रभावित व्यक्ति को मंगलवार को शहद चाटना चाहिए। 4. फिजूल खर्च और आर्थिक समस्या होगी दूर अगर आपके बने बनाए कार्य बिगड़ रहे हैं और कुंडली में राहु-केतु भी परेशान कर रहे हैं तो आप चांदी के बर्तन में शहद भरकर रख दें। ऐसा करने से आपके कार्य बनने लग जाएंगे। साथ ही घर की फिजूल खर्चे भी खत्म होने शुरू हो जाएंगे और आर्थिक समस्या भी दूर होगी। 5. शनि दोष का निवारण अगर आप साढ़ेसाती या फिर ढैय्या के प्रकोप से परेशान हैं, तो घर में मिट्टी के बर्तन में शहद भरकर रख लें। फिर इसको शनिवार के दिन मंदिर में जाकर चढ़ा दें। ऐसा करने से आपको शनि के प्रकोप से मुक्ति मिल जाएगी। आप शहद की बोतल भी साथ ही सूर्य को अर्घ्य देते समय पानी में थोड़ा शहद मिला लें। ऐसा करने से नौकरी में उन्नति होगी और समाज में आपका सम्मान भी बढ़ेगा। 7. कर्ज से मुक्ति कड़ी मेहनत के बाद भी धन लाभ नहीं हो रहा है, तो चिंता की कोई बात नहीं। इसके लिए आप घर के नींव में शहद दबा दें। ऐसा करने से ना सिर्फ आपको मेहनत का शुभ फल मिलेगा, बल्कि कर्ज की समस्या भी धीरे-धीरे दूर हो जाएगी दान कर सकते हैं। 6. नौकरी में नए अवसर का उपाय नौकरी की परेशानी से बचने के लिए या फिर नए अवसर प्राप्त करने के लिए रविवार के दिन शहद का दान करें।

मुख्यमंत्री ने की उच्चस्तरीय टीम-०९ के साथ समीक्षा, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

विभिन्न देशों में बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कोविड प्रबंधन के लिए गठित उच्चस्तरीय टीम-09 के साथ गुरुवार को प्रदेश की स्थिति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यद्यपि विभिन्न देशों में विगत एक सप्ताह से कोविड के नए केस में बढ़ोतरी देखी जा रही है, लेकिन उत्तर प्रदेश में स्थिति सामान्य है। दिसम्बर माह में प्रदेश की कोविड पॉजिटिविटी दर 0.01ज़ रही है। वर्तमान में कुल एक्टिव केस की संख्या 62 है। विगत 24 घंटों में 27,208 हजार टेस्ट किए गए और एक भी नए मरीज की पुष्टि नहीं हुई। इसी अवधि में 33 लोग उपचारित होकर कोरोना मुक्त भी हुए। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में कोविड से बचाव के लिए ट्रेस, टेस्ट, ट्रीटमेंट और टीका की रणनीति सफल सिद्ध हुई है। संभव है आने वाले कुछ दिनों में नए केस में बढ़ोतरी हो, ऐसे में हमें अलर्ट रहना होगा। यह समय घबराने का नहीं, सतर्क और सावधान रहने का है। कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करना होगा। अस्पतालों, बस, रेलवे स्टेशन, बाजारों जैसे भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क लगाए जाने के लिए लोगों को जागरूक करें। पब्लिक एड्रेस सिस्टम को एक्टिव करें।कोविड की बदलती परिस्थितियों पर सूक्ष्मता से नजर रखी जाए। चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग बेहतर समन्वय के साथ तैयारी करें। राज्य स्तरीय स्वास्थ्य सलाहकार समिति के परामर्श के अनुसार आगे की नीति तय की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार से सतत संपर्क-संवाद बनाए रखें। कोविड के नए वैरिएंट पर सतत नजर रखी जाए। जो भी नए केस मिले, उनकी जीनोम सिक्वेंसिंग कराई जाए। दैनिक टेस्टिंग को बढ़ाया जाए। गंभीर, असाध्य रोग से ग्रस्त लोगों, बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतनी होगी। कोविड प्रबंधन में इंटेग्रेटेड कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की उपयोगिता का हम सभी ने अनुभव किया है। गृह, स्वास्थ्य और नगर विकास विभाग परस्पर समन्वय के साथ आइसीसीसी को फिर से एक्टिव करने की तैयारी करें। प्रधानमंत्री जी के मंत्र ठजहां बीमार-वहीं उपचारठ की भावना के अनुरूप ग्राम प्रधानों, एएनएम, आशा बहनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों का सहयोग लिया जाए। कोविड के खिलाफ अब तक की लड़ाई में इन लोगों ने बड़ी भूमिका निभाई है। इस वर्ग को पुनः एक्टिव करें। ताकि यह अपने क्षेत्रों में बीमार, कोविड लक्षण युक्त लोगों पर नजर रखें, जरूरत के अनुसार तत्काल अस्पताल/डॉक्टर की सेवाएं उपलब्ध कराएं।कोविड के बीच अस्पतालों के इंफ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किया गया था। हर जिले में आईसीयू, वेंटिलेटर, विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की गई थी। सभी अस्पतालों में चिकित्सकीय उपकरणों की क्रियाशीलता, डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। ग्रामीण हो या शहरी क्षेत्र, हर अस्पताल में पर्याप्त संसाधन होने चाहिए। चिकित्सा संस्थानों की अद्यतन आवश्यकताओं का परीक्षण करते हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों के नए पद सृजित किए जाएं। पुराने पदों में कोई कटौती न की जाए। यह कार्य शीर्ष प्राथमिकता के साथ किया जाए।अच्छी गुणवत्ता के साथ दवाएं कम कीमत पर उपलब्ध हों, यह राज्य सरकार की प्राथमिकता है। यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रदेश में जीवनरक्षक दवाओं की कमी न हो। मेडिकल सप्लाई कारपोरेशन की कार्यपद्धति में सुधार की जरूरत है। स्वास्थ्य मंत्री स्तर से विभाग के कार्यों की समीक्षा की जाए। एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज लक्ष्य के सापेक्ष विगत दिनों 06 जनपदों में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे। इसके लिए 42 कंपनियों/संस्थाओं ने अपनी रुचि दिखाई है। योग्य और समर्थ का चयन कर यथाशीघ्र मेडिकल कॉलेज निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाए। कोविड संक्रमण से बचाव में टीके की उपयोगिता स्वयंसिद्ध है। 39.06 करोड़ वैक्सीनेशन डोज के साथ उत्तर प्रदेश सर्वाधिक टीका लगाने वाला राज्य है। प्रदेश में 4.48 करोड़ प्रीकॉशन डोज भी लगाए जा चुके हैं। कोविड के नए वैरिएंट के दृष्टिगत प्रीकॉशन डोज लगाए जाने में तेजी की अपेक्षा है। लोगों को प्रीकॉशन डोज की जरूरत और उपयोगिता के बारे में जागरूक किया जाए। प्रयागराज माघ मेले के व्यवस्थित आयोजन के लिए अंतर विभागीय समन्वय के साथ कार्य हो। कल्पवासियों, श्रद्धालुओं, साधु-संतों, को पूर्व में मिलने वाली सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। प्रदेश में पहली बार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर हुई बाजरा की खरीद की प्रगति उत्साहजनक है। अब तक 45000 मीट्रिक टन खरीद हो चुकी है। किसानों को खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। किसी भी जिले में कमी न हो।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के तीसरी तिमाही में पहले की तुलना में वृद्धि

न्यूयार्क। अमेरिकी ट्रेजरी में पिछली तिमाही की तुलना में इस बार वृद्धि देखी गई। हालांकि परिणाम मिले-जुले हैं। सरकार ने सकल घरेलू उत्पाद के अपने तीसरे अनुमान में कहा कि सकल घरेलू उत्पाद (उअझ्) तीसरी तिमाही में 3.2झ् वार्षिक दर से बढ़ा। पिछले महीने रिपोर्ट की गई 2.9झ् की तुलना में इसमें वृद्धि देखी गई। केविन ने कहा, 'यह दिखा रहा है कि तीसरी

तिमाही में कैसे बदलाव आया है।' गुरुवार को सामने आई एक रिपोर्ट में दिखाया गया कि बेरोजगारी लाभ के लिए नए दावे दाखिल करने वाले अमेरिकियों की संख्या पिछले सप्ताह की अपेक्षा कम बढ़ी है, जो अभी भी श्रम बाजार की ओर इशारा करता है। बता दें कि अमेरिका में हाल की रिपोर्ट्स के मुताबिक महंगाई कम हुई है, लेकिन अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। इस सप्ताह जारी किए गए कुछ सर्वेक्षणों से पता चलता है कि फेड की उच्च दरें व्यवसायों या उपभोक्ताओं द्वारा खर्च को धीमा नहीं कर रही हैं। मुख्य वित्तीय अधिकारियों के एक हालिया सर्वेक्षण में पाया गया कि ब्याज दरों के मौजूदा स्तर ने उनकी व्यय योजनाओं को प्रभावित नहीं किया है। और सम्मेलन बोर्ड के एक सर्वेक्षण के अनुसार दिसंबर में उपभोक्ता विश्वास में सुधार हुआ, जो अप्रैल के बाद से उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

गन्ने का एमएसपी 700 प्रति कुन्तल होना चाहिए भाकियू (भानु)

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन (भानु) की एक बैठक प्रदेश सचिव रवि राघव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश सचिव रवि राघव ने गन्ने का एमएसपी 700 रूपये प्रति क्विंटल किए जाने की मांग करते हुए कहा कि गन्ने का वर्तमान एमएसपी मूल्य रूपये 350 प्रति कुंटल है जो कि पर्याप्त नहीं है। अतः गन्ना किसान को 700 रूपये कुंटल मिलना चाहिए। प्रदेश सचिव रवि राघव ने कहा है कि भारतीय किसान यूनियन (भानु) काफी दिनों से किसान आयोग के गठन की मांग कर रही है जिस पर केंद्र सरकार को तत्काल कार्यवाही कर किसान आयोग का गठन करना चाहिए। जिसमें सभी सदस्य किसान हो एवं किसान आयोग का अध्यक्ष भी किसान होना चाहिए।

मैहर में ओवरलोड ट्रक बन रहे जान का खतरा टला बड़ा हादसा

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर। दरअसल मैहर के भदनपुर भटूरा में संचालित खदानों से ओवरलोड पत्थर केजेएस में लाया जाता है, जिससे आयेदिन हादसे होते है और कई लोग जान भी गवा पवन अहलूवालिया और हुकुमचंद जैन के द्वारा धड़ल्ले से ओवरलोड़ का खेल खेला जा रहा है।भदनपुर व भटूरा से केजेएस में पत्थर लाया जाता है। मैहर - केजेएस सीमेंट में धड़ल्ले से जा रहे ओवरलोड

चुके हैं। ताजा मामला कुछ देर पहले का हैं केजेएस सीमेंट फैक्ट्री के पास ओवरलोड ट्रक चलते ट्रक में जा घुसा, जिसमे ट्रक में मौजूद लोगों को गंभीर चोट आई, मगर ओवरलोड ट्रक का सामने का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया ,मगर सवाल यह हैं कि बीते दिनों पहले इसी चौराहे पर आरटीओ द्वारा चेकिंग लगाई गई थी मगर ओवरलोड के पहिये थंमने का नाम नही ले रहे हैं, मैहर में वाहन, प्रशासन बना मूकदर्शक, कार्यवाही के बाद नही लगा पा रहे अंकुश, मैहर में हुकुमचंद जैन के द्वारा दौड़ाया जा रहा पत्थर का ओवरलोड़ वाहन, सूत्रों की माने तो केजेएस में बिना ओवरलोड वाहनों को नही है अनुमति , केजेएस के मालिक के आगे नही हो पाती इन वाहनों पर कोई कार्यवाही, कई बार सतना आरटीओ ने की खानापूर्ति कार्यवाही, आयेदिन इन वाहनों के वजह से हो रहे हादसे,जिम्मेदार बैठे हैं मौन।

सपा ने किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती किसान दिवस के रूप में मनाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। किसान मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 120 वीं जयंती सपा नोएडा ग्रामीण द्वारा सेक्टर 31स्थित निठारी गांव में धूमधाम से मनाई गई। चौधरी चरण सिंह जी की जयंती किसान दिवस के रूप में मनाई गई। नोएडा ग्रामीण के निवर्तमान जिला महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे व सपा नेता अर्जुन प्रजापति ने सपा कार्यकर्ताओं के साथ चौधरी चरण सिंह जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें सपा नेताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस अवसर पर बोलते हुए सपा ग्रामीण के निवर्तमान जिला महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेन्द्र दुबे ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने एक साधारण परिवार में जन्म लेने के बाद अपनी संघर्ष क्षमता और योग्यता के बलबूते देश के प्रधानमंत्री के पद को सुशोभित किया। उनका जन्म 23 दिसम्बर 1902 को नूरपुर गांव

(बाबूगढ़ छावनी के निकट) तहसील हापुड़, ग़ाज़ियाबाद में हुआ था। चौधरी साहब ने छोटी सी उम्र में गांव, गरीब, किसान का शोषण देखा और उनके हृदय में शोषण के खिलाफ बीजारोपण हुआ। उन्होंने किसानों की भलाई के लिए आजीवन संघर्ष किया इसलिए उन्हें किसानों का मसीहा भी कहा जाता है। आगरा विश्वविद्यालय से वकालत की शिक्षा ग्रहण करने के बाद 1928 में ग़ाज़ियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। वह हमेशा न्यायपूर्ण मुकदमों को ही स्वीकार करते थे। गांधी जी के आवाहन पर सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लिया और हिंडन नदी पर नमक बनाने का कार्य किया जिसमें उन्हें 6 माह की सजा भी हुई। जहां चौधरी साहब ने आजीवन किसानों की भलाई के लिए कार्य किया ।उनके बताए मार्ग पर चलकर समाजवाद की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। इस अवसर पर मजदूर सभा के निवर्तमान अध्यक्ष अर्जुन प्रजापति, मुन्नीलाल बघेल,सुधीर राय, सुरेश बघेल, रोहतास, प्रताप प्रजापति, जय प्रकाश, तरुण कुमार, भूरे, पवन कुमार, संजय कुमार, नरेश कुमार, राकेश दिवाकर, जीवन राम, रवि पार्था, सन्नी टैगोर, मूल चंद, मोहसिन सैफी सहित तमाम सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सतना - धान खरीदी केंद्र व मिलर मिल कर कर रहे बड़ा घोटाला

(आधुनिक समाचार सेवा)

सतना। कागजों में धान उठावने का खेल जारी , ऐसे कई किसान बने व्यापारी व खरीदी केंद्र प्रभारी की साठगांठ से चल रहा खेल दरअसल पूरा खेल धान उठावने को लेकर हैं जहाँ कागजों में मिलर का पैसा समिति से 1750 या फिर 1800 की राशि केंद्र वालो से है वसूल रहे मिलर , वही है मिलर नई पहले ही व्यापारियो से घटिया क्वालिटी चावल खरीद सरकार को देने के लिये तैयार रख रखा हैं , ये बड़ा खेल नान के वरिष्ठ

ने धान उठाना दर्शा दिया जबकि उठवाना हुआ ही नही वही धान खरीदी केंद्र द्वारा पहले ही अपनी समिति में लाखों टन से ज्यादा धान पहले चढ़ा दी अब धान उसकी जगह धान उठावने के बाद किसानों के खाते में पैसा जाता हैं , परंतु यहाँ धान समिति व स्वसहायता समूह द्वारा मिलर स्व साठगांठ करते हुए धान उठावना न करते हुए फर्जी तरह से कागजो में उठावना दर्शा दी और वही धान अधिकारियों की कामचोरी के चलते कर रहे मिलर व धान खरीदी केंद्र संचालक अगर पूरी तरह से जांच हो तो पूरी कहानी आ जायेगी सामने , इसी लिये खरीदी केंद्रों में सुबह से शाम किसान बने व्यापारी डाले रहते हैं डेरा वही शशन को इस घोटाले की कोई खबर नहीं , और 100 से ज्यादा ट्रकों का खेल अभी तक हो चुका ओर खेल अभी भी हैं जारी।

महाकौथिग मेले मे दूसरे दिन नृत्य प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। उत्तराखंड महाकौथिग के दूसरे दिन का आरम्भ महाकौथिग टीम द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर मेले का विधिवत उद्घाटन किया गया। प्रथम सत्र मे अन्तरविद्यालय एवं अन्तरसमुह उत्तराखंड लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमें अन्तर विद्यालय मे लोक नृत्य प्रतियोगिता मे प्रथम उत्तराखंड पब्लिक स्कुल दूसरा धर्म पब्लिक स्कूल व अन्तरसमुह प्रतियोगिता मे प्रथम- पर्वतीय कला संगम दिल्ली दूसरा - भूम्याल विकास मंच तीसरा- ज़ोनसारी ग्रूप विजेता रहे । शाम के सत्र मे उत्तराखंड की सुप्रसिद्ध लोक गायिकाऐ जो विगत 30 40 वर्षा से इस क्षेत्र मे कार्य कर रही है । महिलाओं द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर आरम्भ किया गया ।आज के कार्यक्रम मे मुख्य आकर्षण उत्तराखंड के गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी जी व केंद्र उत्तराखंड फोक म्यूजिक उफमा अवार्ड एवं लोक सम्मान की प्रस्तुति रहेगी। इस अवसर पर मुख्य संयोजक राजेंद्र चौहान स्वर कोकिला कल्पना चौहान,अध्यक्ष सौरभ धस्माना ,उपाध्यक्ष हरेंद्र शर्मा, वरिष्ट सलाहकार राजेन्द्र रावत,मीडिया प्रभारी रजनी जोशी ,कोषाध्यक्ष सुबोध थपलियाल, महासचिव,इंदिरा चौधरी राखी धनाई,संस्कृति सचिव रेखा चौहान, अनिल राणा,सुनीताध्यानी,दिवान सिंह,चंदन गुसाई,एस पी चमोली,हेमंत जोशी,अनिल राणा,संरक्षक नरेंद्र सिंह बिष्ट,आदित्य घिल्डियाल आदि उपस्थित रहे।

वीकेंड पर लें बस ये कुछ एक्सरसाइजेस और रहें पूरे हफ्ते फिट एंड फाइन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बिजी लाइफस्टाइल की वजह से हममें से ज्यादातर लोगों के लिए खुद को समय दे पाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। इस वजह से डेली हम योग और एक्सरसाइज को भी समय नहीं दे पाते हैं. लेकिन आप वीकेंड पर कुछ हल्की-फुल्की एक्सरसाइजेस से खुद को फिट रख सकते हैं। जानेंगे ऐसी ही कुछ एक्सरसाइजेस के बारे में। पूरे सप्ताह खुद को फिट रखने के लिए आप केवल दो दिन यानी की वीकेंड पर योग या एक्सरसाइज कर सकते हैं। इससे आप पूरे वीक खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे।प्लैंक एक्सरसाइज को करने से आप अपने शरीर के वेस्ट फैट को तेजी से बर्न कर सकते हैं। इस एक्सरसाइज से आपको कई फायदे होते हैं। इसके साथ ही कुछ एक्सपेरिमेंट कर आप रीढ़ की हड्डी के लिए भी एक्सरसाइज कर सकते हैं।स्किपिंग एक सबसे आसान एक्सरसाइज है। इसके लिए आपको एक रस्सी की जरूरत होती है, जो बाजार में आसानी से मिल जाती है। इससे बॉडी की स्ट्रेंथ बढ़ती है।

युवा कांग्रेस के नेताओं का अनोखा अंदाज, शासन को दिया गधे का रूप और गधे को दिया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर। युवा कांग्रेस मैहर विधानसभा क्षेत्र के बदेरा सर्किल में युवा कांग्रेस का क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में युवा कांग्रेस के प्रदेश स्थल मे पहुंचने के लिए कहा। 1.30 का समय ज्ञापन का निर्धारित था जब 4 बजे तक तहसीलदार साहब उपस्थित नहीं हुए तब युवा कांग्रेस के नेताओं ने नराजगी जाहिर की और तहसीलदार साहब के रूप में सौरभ शर्मा (लल्ला) , पूर्व बदेरा यूंका अध्यक्ष श्री मिंटू सिंह जी, पूर्व शहर अध्यक्ष श्री मोनिस अली जी , विधानसभा उपाध्यक्ष आनंद मिश्रा प्राशू, महासचिव आदर्श पुरी,लवकुश त्रिपाठी, राहुल पाण्डेय,

सचिव हम सबके नेता युवाओं के नेतृत्व के रुप मे पेहचाने जाने वाले बृजेन्द्र शर्मा (छोटू भैया) उपस्थित हुए और फीता काटकर युवाओं और क्षेत्रीय जनों को सौंपा। कार्यालय युवा कांग्रेस विधानसभा महासचिव राजेंद्र खरे जी व नागेंद्र सिंह जी द्वारा खोला गया। क्षेत्रीय जन मानस की 7 सूत्रीय मांगो को लेकर मैहर एसडीएम साहब को ज्ञापन देना था एसडीएम साहब से बात की उनकी अनुपस्थिति में उन्होंने मैहर तहसीलदार साहब को कार्यक्रम एक गधे स्वरूप को ज्ञापन सौंपा। प्रशासन ने रोकने की खूब कोशिस की लेकिन प्रदेश सचिव छोटू भैया का साफ कहना था कि अधिकारियों को जब समय सीमा का ध्यान नहीं तो अब हमें और इंतजार नहीं करना और गधे को ज्ञापन दे दिया । जिसमें मुख्य रूप से पूर्व सरपंच मार्गदर्शक श्री राम सिंह बुंदेला जी, जिला महासचिव मार्गदर्शक श्री बिपिन सिंह बघेल जी, जिला प्रवक्ता श्री नवनीत श्रीवास्तव जी, युवा कांग्रेस मैहर विधानसभा अध्यक्ष शुभम त्रिपाठी, अभिषेक सिंह, आशू त्रिपाठी, आयुष सिंह, हर्ष लालवानी, कान्हा चौरसिया, विक्की पटेल, लवकेश पटेल ,पुस्पेंद्र सिंह (सरपंच सढ़ेरा) ,मकरंद प्रसाद शुक्ला ,धनेंद्र खरे (पंच) ,रोहित पटेल (पंच), डॉक्टर संजय सिंह ,रावेंद्र सिंह ,रवि सिंह (पंच), बुद्धिमान सिंह ,कमलाकर पांडेय ,अमित उरमलिया, धीरेंद्र पांडेय, राजेश पटेल (पंच) ,अभय गर्ग ,अजीत जैसवाल सहित सैकड़ों युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता व छोटू शर्मा जी के समर्थक उपथित रहे।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कच्चे तेल के दामों में एक बार फिर से उछाल देखने को मिल रहा है। अब कच्चे तेल का दाम बढ़कर 82 डॉलर के करीब पहुंच गया है। ब्रेंट क्रूड का भाव 0.87 डॉलर या 1.07 प्रतिशत बढ़कर 81.85 डॉलर प्रति बैरल और डब्लूटीआई क्रूड का भाव 0.89 डॉलर या 1.15 प्रतिशत बढ़कर 78.38 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। पिछले कुछ दिनों से कच्चे तेल के दामों में तेजी देखने को मिल रही है। भारत में कच्चे तेल के दामों में उतार- चढ़ाव का असर देखने को नहीं मिल रहा है। दाम स्थिर बने हुए हैं और कोई भी परिवर्तन देखने को नहीं मिल है। देश में पिछली बार पेट्रोल-डीजल की कीमतों में परिवर्तन मई 2022 में देखने को मिला है। बड़े महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और एक लीटर डीजल 89.62 रुपये में मिल रहा है। कोलकाता में एक लीटर पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर और एक लीटर डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर और एक लीटर डीजल 94.24 रुपये में मिल रहा है। जयपुर में पेट्रोल 108.51 रुपये और डीजल 93.75 रुपये प्रति लीटर लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर नोएडा में पेट्रोल 96.94 रुपये और डीजल 90.11 रुपये प्रति लीटर गुरुग्राम में पेट्रोल 97.04 रुपये और डीजल 89.91 रुपये प्रति लीटर कैसे चेक करें अपने शहर में पेट्रोल-डीजल के दाम अपने शहर में पेट्रोल और डीजल का रेट पता करने के लिए आपको सिर्फ एक एसएमएस करना होता है।

40 लोगों ने भाकियू अम्बावता छोड़ भाकियू (अराजनैतिक) मे हुए शामिल

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने नोएडा मीडिया क्लब सेक्टर 29 में एक प्रेस वार्ता

को संबोधित करते हुए जानकारी दी कि भारतीय किसान यूनियन अम्बावता छोड़ कर आए अनेकों पदाधिकारी व सैकड़ो कार्यकर्ता ने भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक में आस्था जताते हुए राष्ट्रीय महासचिव अनिल तालान व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौधरी जीवन सिंह की उपस्थिति में सदस्यता ग्रहण कर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) में शामिल हुए। राष्ट्रीय महासचिव अनिल तालान ने कहा इस प्रेस वार्ता के दौरान भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के राष्ट्रीय महासचिव अनिल तालान ने कहा कि देश का किसान दिक्कत में है और देश के किसानों के लिए सकारात्मक परिवेश उत्पन्न करना हमारी प्राथमिकता है। प्रदेश में छुट्टा पशु किसानों के लिए एक बहुत बड़ी समस्या है और उसी के साथ ही खेतों में टू वेल की बिजली के बिल माफ किए जाएं। आगे उन्होंने कहा कि अगर हम गौतम बुध नगर की बात करें तो यहां के किसानों की भूमि को अर्जित कर बड़े-बड़े कारखाने लगाए गए हैं। अच्छी बात है कि देश के विकास के लिए कारखाने लगाए गए हैं मगर हमारी सरकार से मांग है कि यहां के स्थानीय किसानों के बच्चों को भी उनकी शिक्षा के आधार पर प्राथमिकता से रोजगार उपलब्ध कराए जाएं। किसान यूनियन अम्बावता छोड़ कर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) में शामिल हुए मुख्य रूप से भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) में शामिल हुए मे शुमार है परवीन शर्मा, संजय शर्मा,श्याम यादव, मनीष शर्मा,नरेश यादव, राहुल यादव, विक्रम चौहान, शौर्य ठाकुर, भरत नागर, संजय नागर, दीपक बच्चश,रोताश चौहान, बदले कसाना, बबलू मुल्ला, अमरीश शर्मा,सुशील शर्मा आदि हुए सम्मलित इस मौके पर प्रकाश फौजी, दया प्रधान,वीरेन्द्र शर्मा,विभोर शर्मा विकास शर्मा, बोबी नागर,भूपेंद्र शर्मा प्रदीप अम्बावता, भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के पदाधिकारी रहे मौजूद।

अमेरिका में भारी बर्फबारी और तापमान में गिरावट से आफत, 3800 से अधिक उड़ानें रद्द

वाशिंगटन। अमेरिका में भारी बर्फबारी और ठंडे तापमान के कारण गुरुवार और शुक्रवार को 3800 से अचानक इन सेवाओं को रद्द करने से हजारों लोगों के जीवन पर असर पड़ा। इन दिनों अमेरिका में एक

अधिक उड़ानें रद्द कर दीं गई। जानकारी के मुताबिक, अमेरिकी एयरलाइंस ने गुरुवार और शुक्रवार को 3,800 से अधिक अमेरिकी उड़ानें रद्द कर दीं। इसके साथ ही कुछ ट्रेन सेवाएं भी रद्द कर दी गई। शक्तिशाली शीत तूफान आया हुआ है। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, गुरुवार को 2,180 से अधिक अमेरिकी उड़ानें रद्द कर दी गईं और शुक्रवार 1,600 उड़ानें रद्द कर दी गईं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने गुरुवार को कहा कि सर्दियों का तूफान शिकागो, डेट्रायट और मिनियापोलिस-सेंट पॉल में बर्फानी तूफान की स्थिति बना रही है। डेल्टा एयर लाइन्स ने कहा कि शुक्रवार को और अधिक उड़ानें भी रद्द की जा सकती है। डेल्टा एयर लाइन्स ने गुरुवार 130 और शुक्रवार को 84 उड़ानें रद्द की थी। जानकारी के अनुसार, अब तक शिकागो के ओ हारे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से टेकऑफ करने वाली 24 प्रतिशत उड़ानें और शिकागो मिडवे की 37 प्रतिशत उड़ानें गुरुवार को रद्द कर दी गईं थी, जबकि डेनवर एयरलाइन के 26 प्रतिशत उड़ानें रद्द की गई। एमट्रैक ने कहा कि वह मिशिगन, इलिनोइस, मिसौरी, न्यूयॉर्क और शिकागो के बीच ट्रेनों को रद्द कर रहा है।

चीन में कोरोना फैलने का असर रॉकेट बने इन कंपनियों के स्टॉक

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कोविड की स्थिति पर वैश्विक चिंता के बीच डायग्नोस्टिक कंपनियों के शेयर आज फोकस में हैं। डॉ. लाल पैथलैब्स लिमिटेड के

शेयरों में , मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लिमिटेड में और विजया डायग्नोस्टिक सेंटर लिमिटेड के शेयरों में की उछाल देखी जा रही है। चीन के बीजिंग शहर में सख्त लॉकडाउन लगने के बाद भी वहां कोरोना के मामले थमते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। इसको देखते हुए दुनिया भर की सरकारें एलर्ट पर हैं। भारत में भी आज स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने इसे लेकर एक प्रोफाइल मीटिंग बुलाई है। मीटिंग में भारत में कोरोना की रोकथाम को लेकर कई अहम एलान होने की उम्मीद है।अपोलो हॉस्पिटल्स और फोर्टिस हेल्थकेयर के शेयर आज क्रमशः 0.6झ् और 1.5झ् बढ़े। इसकी तुलना में सेंसेक्स मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार, वीके विजयकुमार ने कहा कि निकट अवधि का बाजार इक्विटी के लिए अनुकूल नहीं है। अमेरिका, कोरिया, ब्राजील और चीन में बढ़ते कोविड मामले चिंता का विषय हैं। चीन में स्थिति गंभीर है। यह बाजार की भावनाओं को प्रभावित कर सकता है।

अपने से 25 वर्ष छोटी मॉडल विक्टोरिया लामस के साथ डिनर करते आए नजर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। वुल्फ ऑफ वाल स्ट्रीट में नजर आए लियोनार्डो डिकैप्रियो अपने से 25 साल छोटी मॉडल विक्टोरिया लामस के साथ देखें गये है। इसके बाद दोनों के अफेयर की अफवाह तेज हो गई। इसके है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि दोनों एक-दूसरे को डेट नहीं कर रहे हैं। लियोनार्डो डिकैप्रियो की उम्र 48 वर्ष है और मॉडल विक्टोरिया की उम्र 23 वर्ष है। दोनों द वर्ल्ड रेड क्लब में साथ स्पॉट किए गए। दोनों मीटिंग के बाद अलग-अलग कार नामक फिल्म में भी काम किया था। उनके इंस्टाग्राम पर 23000 फॉलोअर्स है। वह अक्सर अपनी ट्रैवलिंग और मॉडलिंग से जुड़ी चीजें अपडेट करती हैं। उन्होंने द लास्ट थिंग द अर्थ सेड, अ वर्चुअस रोल जैसी फिल्मों में भी काम किया था।

पहले उनका नाम सुपरमॉडल गिगी हदीद के साथ जुड़ा हुआ था। लियोनार्डो डिकैप्रियो पर एक आरोप लगता रहा है कि वह अपने से आधे उम्र की लड़कियों को डेट करते हैं। इस पर उनके फैंस की भी नजर होती है। लियोनार्डो डिकैप्रियो को अब एक्टर मॉडल विक्टोरिया लामस के साथ हॉलीवुड में मंगलवार की रात डिनर पर देखा गया। विक्टोरिया उनसे 25 साल छोटी में गए लेकिन अंत में जाकर एक ही कार में सवार हो गए दोनों की डेली मेल ने कई तस्वीरें जारी की है। इस अवसर पर विक्टोरिया ने ब्लैक स्कूप क्रॉप टॉप पहन रखा था। वहीं उन्होंने ब्लैक पैंट भी पहन रखी भी। लियोनार्डो डिकैप्रियो ने कैजुअल लुक रखा था। वह टी शर्ट और ब्लू जींस पहने नजर आए। विक्टोरिया एक्टर लोरेंजो लामस की बेटी है। उन्होंने फाल्कन क्रेस्ट लियोनार्डो डिकैप्रियो का हाल ही में कैमिला मारोन से ब्रेकअप हुआ है। वहीं उन पर सुपरमॉडल गिगी हदीद को भी डेट करने का आरोप लगा था। दोनों को कई अवसर पर साथ में टाइम स्पेंड करते हुए देखा जाता था। गिगी की उम्र 27 वर्ष है। जिनका हाल ही में जायन मलिक से ब्रेकअप हुआ था। लियोनार्डो डिकैप्रियो जल्द किलर ऑफ द फ्लावर रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म बनकर तैयार है।

धीरे-धीरे ठंडी पड़ रही है अवतार 2 की कमाई, बुधवार को एक बार फिर गिरा कलेक्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। हॉलीवुड को अब तक चुनिंदा, लेकिन शानदार फिल्में देने वाले डायरेक्टर जेम्स कैमरून एक बार फिर अपनी नई फिल्म के साथ जादू कर रहे हैं। बीते हफ्ते शुक्रवार को उनकी मास्टरपीस फिल्म अवतार 2 रिलीज हुई है, जिसने आते ही पूरी दुनिया में शानदार कलेक्शन किया। वहीं, भारत की बात करें तो यहां के थिएटर्स में भी फिल्म ने ओपनिंग डे पर अच्छा कलेक्शन किया, लेकिन अब फिल्म का कलेक्शन लगातार घटता जा रहा है। जेम्स कैमरून की फिल्म भविष्य के ऐसे मुद्दे को ध्यान में रखकर बनाई गई है, जो आने वाले समय में इंसान की जिंदगी पूरी तरह से बदल देगी। अवतार 2 पृथ्वी पर खत्म हो रहे संसाधनों की बात करती है और दर्शाती है कि इंसान इससे बचने का रास्ता कैसे ढूंढते हैं। 16 दिसंबर को रिलीज हुई अवतार 2 ने टिकट खिड़की पर 41 करोड़ के साथ खाता खोला था। इसके बाद पहले शनिवार को फिल्म की कमाई 42 करोड़ रही, जबकि रविवार को यह आंकड़ा 46 करोड़ पहुच गया। इसके साथ ही अवतार 2 ने पहले वीकेंड पर 129 करोड़ का नेट बिजनेस किया। अवतार 2 पर वीकडेज का असर सीधे तौर पर पड़ा क्योंकि वीकेंड के बाद फिल्म का कलेक्शन एकदम से गिरने लगा है। ऐंम्हग्त्व् की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को अवतार 2 ने 18 करोड़ की कमाई की, जबकि मंगलवार को फिल्म ने लगभग 16 करोड़ का बिजनेस किया। वहीं, बुधवार की बात करें तो अवतार 2 एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर लड़खड़ा गई और गिरते-पड़ते महज 15.75 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। इसके साथ ही डॉमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर अवतार 2 का लाइफटाइम नेट कलेक्शन 180 करोड़ हो गया है।

'तुम्हारा मजाक बनाया गया', अभिषेक को बेस्ट एक्टर चुने जाने पर भावुक हुए बिग बी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बुधवार शाम मुंबई में हुए फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड्स में दसवीं के लिए अभिषेक बच्चन को वेब ओरिजिनल फिल्म केटेगरी बेस्ट एक्टर घोषित किया गया। वहीं, दसवीं को बेस्ट फिल्म चुना गया। इस फिल्म के लिए अभिषेक को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिलना उनके लिए भी यादगार पल है। दसवीं में अभिषेक के अभिनय को काफी सराहा गया था। बेटे की इस उपलब्धि पर अमिताभ बच्चन भी गर्व महसूस कर रहे हैं और अभिषेक की लगन को सराह रहे हैं। बिग बी ने ट्विटर पर लिखा- मेरा गर्व, मेरी खुशी... तुमने अपनी बात साबित कर दी है। तुम्हें उपहास का पात्र बनाया गया। हंसी उड़ायी गयी, मजाक बनाया गया, लेकिन तुमने बिना शोर-शराबे के अपनी काबिलियत दिखा दी। तुम सर्वश्रेष्ठ हो और हमेशा रहोगे।

आनंद पंडित ने किया 'देसी बॉयज' और 'ओमकारा' के सीक्वल का एलान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। फिल्म प्रोड्यूसर आनंद पंडित ने एक बड़ा एलान किया है। साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म देसी बॉयज तो आपको याद ही होगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार और जॉन अब्राहम की देसी जोड़ी ने फैंस का काफी मनोरंजन किया था। वहीं अब इस फिल्म का दूसरा पार्ट भी आने वाला है। जिसका निर्देशन रोहित धवन ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार, जॉन अब्राहम, दीपिका पादुकोण और चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिका में दिखाई दिए। फिल्म में संजय दत्त ने कैमियों किया था। यह फिल्म शेक्सपियर के नाटक ओथेलो पर आधारित है। इस फिल्म का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया था।

आनंद पंडित ने ट्वीट कर फैंस के साथ देसी बॉयज के सीक्वल और ओमकारा के रीमेक की जानकारी साझा की है। उन्होने लिखा, ''देसी बॉयज' के सीक्वल और 'ओमकारा' के रीमेक का एलान करते हुए बेहद खुशी हो रही है। क्रेजी एंटरटेनमेंट के लिए तैयार हो जाइए।' इस पोस्ट के बाद फैंस की खुशी का ठीकाना नहीं है। आनंद पंडित के इस ट्वीट पर यूजर्स की दिलचस्प प्रतिक्रिया आ रही है। देसी बॉयज एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, फिल्म में अजय देवगन, करीना कपूर, सैफ अली खान, कोंकणा सेन, विवेक ओबेरॉय और बिपाशा बसु मुख्य किरदारों में नजर आए थे। ये फिल्म ना सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी, बल्कि क्रिटिक से भी फिल्म को दमदार तारीफ मिली थी। बता दें 54वें नेशनल अवार्ड में इस फिल्म को 3 अवार्ड मिले थे। इस फिल्म के लिए सैफ अली खान को बेस्ट एक्टर इन निगेटिव रोल का फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला था।

ऑस्कर नॉमिनेशन से पहले ओटीटी पर देख लीजिए ये शॉर्ट लिस्ट फिल्में

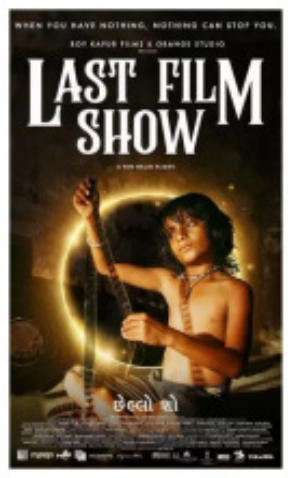

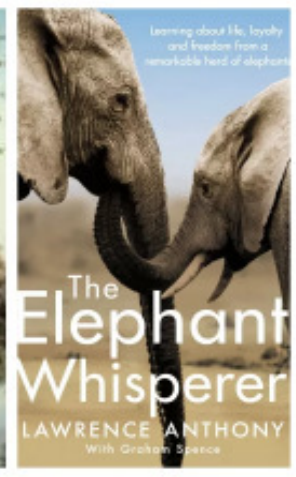

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। 95 वें अकादमी पुरस्कारों की शॉर्टलिस्ट में भारत की चार फिल्मों ने जगह बनाई है। 'इंटरनेशनल फीचर फिल्म' कैटेगरी में भारत की ऑफिशियल एंट्री छेल्लो शो (द लास्ट फिल्म शो) को एंट्री मिल गई है। तो वहीं एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर है, जो फिल्मों और फिल्म निर्माण से रोमांचित है। वह फिल्म निर्माण में अपना करियर शुरू करना चाहता है। फिल्म में लीड रोल में भाविन रबारी, राहुल कोली, ऋचा मीना, भावेश श्रीमाली, दीपेन रावल, टिया सेबेस्टियन, विजय मेर और परेश मेहता शामिल हैं। इस फिल्म को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। कहानी है, जिन्होंने घायल पक्षियों, विशेष रूप से काली पतंगों को बचाने और उनका इलाज करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है। ये फिल्म आपको एचबीओ के ऑफिशियल वेबसाइट पर आसानी से मिल जाएगी। कार्तिकी गोंजाल्विस की 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' एक डॉक्यूमेंट्री है जो दो हाथियों और

के गाने 'नाटू नाटू' को 'म्यूजिक (ओरिजिनल सॉन्ग) कैटेगरी में शामिल किया गया है। इसके अलावा डॉक्यूमेंट्री फीचर 'ऑल दैट ब्रीथ्स' और डॉक्यूमेंट्री 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' भी शॉर्टलिस्ट हुई हैं। इसके अलावा कन्नड़ फिल्म 'कांतारा' को भी दूसरी कैटेगरी में भेजा गया है। तो अगर आप भी इन पांच फिल्मों को देखना चाहते हैं तो हम बता दें कि ये ओटीटी पर मौजूद हैं सबसे पहले बात छेलो शो यानी 'द लास्ट फिल्म शो' की। यह मूलतः गुजराती भाषा की फिल्म है और ओटीटी पर इसे 25 नवंबर को ही रिलीज कर दिया गया था। कहानी का नायक एक 9 साल का बच्चा 'समय' 25 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली 'आरआरआर' में रामचरण, जूनियर एनटीआर और आलिया भट्ट लीड रोल में हैं। फिल्म 20 मई को ओटीटी पर रिलीज हुई थी। हालांकि इसका हिंदी वर्जन बाद में आया था। फिल्म में आजादी से पहले की कहानी दिखाई गई। बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई करने वाली आरआरआर को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स और जी5 पर घर बैठे देख सकते हैं। शौनक सेन की पॉपुलर फिल्म 'ऑल दैट ब्रीथ्स' बेस्ट डॉक्यूमेंट्री फीचर कैटेगरी के लिए सिलेक्ट हुई है। दिल्ली पर बेस्ड यह फिल्म दो भाइयों, मोहम्मद सऊद और नदीम शहजाद की उनके देखभाल करने वालों के बीच एक अटूट बंधन को दिखाती है। इस फिल्म को 'पीरियड एंड ऑफ सेंटेंस' फेम ऑस्कर विजेता गुनीत मोंगा ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। कन्नड़ फिल्म 'कांतारा' को भी 95 वें अकादमी पुरस्कारों के लिए भेजा गया है। कांतारा किसी सनसनी की तरह बॉक्स ऑफिस पर आई और इसने धांसू कमाई की। फिल्म का क्लाइमेक्स इतना जबरदस्त था कि लोगों ने इसे सिनेमा में दूसरी और तीसरी बार भी जाकर देखा है। ऋषभ शेट्टी की ये दमदार फिल्म 9 दिसंबर को हिंदी में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई।

जिस फिल्म के लिए तापसी पन्नू बोलने वाली थीं ना, उसी ने दिलवाया बेस्ट एक्टर अवॉर्ड

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। तापसी पन्नू को उनकी फिल्म लूप लपेटा के लिए वेब ओरिजिनल फिल्म (फीमेल) केटेगरी में बेस्ट एक्टर का फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड मिला है। इस जीत से उत्साहित तापसी ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक भावुक नोट लिखा है, जिसमें फिल्म को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा की हैं। लूप करूंगी, जिसमें मैं बस दौड़ रही हूं। जब फिल्म का नैरेशन हुआ तो मैं मना करने के इरादे से गयी थी, मगर तुरंत हां करके लौटी। यह निर्माताओं का आत्मविश्वास ही था, जो रिस्क लेना चाहते थे। लेखकों ने पर्दे पर लोला और सावी को पेश करने में बेहतरीन काम किया। निर्देशक, जो खुद बेहद काबिल हैं और उनकी टीम ने पूरे दिन की भागदौड़ के बाद मुझे तनावमुक्त करने का पूरा ध्यान रखा। जितने शंकाएं खेर, प्रतीक गांधी शामिल हैं। आकाश भाटिया निर्देशित लूप लपेटा 4 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। यह जर्मन फिल्म रन भोला रन का आधिकारिक रीमेक है। ताहिर राज भसीन ने तापसी के साथ लीड रोल निभाया था। फिल्म में तापसी ने एथलीट का रोल निभाया था, जो घुटनों की सर्जरी के बाद अस्पताल से लौटते वक्त आत्महत्या के बारे में सोच रही

लपेटा ऐसी फिल्म थी, जिसके लिए तापसी मना करने का मन बना चुकी थीं।बुधवार शाम मुंबई में फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड आयोजित किये गये थे। तापसी ने ट्रॉफी के साथ अपनी तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर करके लिखा- ''लूप लपेटा एक ऐसी फिल्म थी, जिसको लेकर कोई यह समझ नहीं सका कि मैं इसे क्यों करना चाहती थी। रन भोला रन जैसी क्लासिक फिल्म को आखिर मैं क्यों छूना चाहूंगी, एक और ऐसी फिल्म क्यों थीं, वो सब साहस में बदल गयीं। मुझे नहीं लगता कि इस टीम के बिना मैं आधी सावी भी बन पाती। हम कलाकारों को जरूरत से ज्यादा क्रेडिट मिल जाता है, इसलिए यह लूप लपेटा टीम के लिए है। सबसे कूल फिल्म, जो कुछ कूल लोगों के साथ की। उन्होंने इस चुनौती को स्वीकार किया और सीधे इससे मुकाबला किया।'' तापसी की इस पोस्ट पर उन्हें कई साथी कलाकारों ने बधाई दी है। इनमें नीना गुप्ता, दीया मिर्जा, टिस्का चोपड़ा, संयमी है, मगर सत्या उसे रोक लेता है। दोनों में प्यार हो जाता है और वो साथ साथ होना चाहते हैं, मगर सावी के पिता को मंजूर नहीं। सत्या का बॉस विक्टर उसे एक पैकेट 80 मिनट में डिलीवर करने के लिए कहता है, जिसकी कीमत 50 लाख रुपये होती है। फिल्म एक ही घटनाक्रम को तीन अलग-अलग तरह से अलग परिणामों के साथ दिखाती है। फिल्म समीक्षकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली थी।

टीवी की इस पॉपुलर बहू को सलमान खान कर सकते हैं शो से बाहर नाम सुन लगेगा तगड़ा झटका

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बिग बॉस 16 में यूं तो कई रिकॉर्ड टूट चुके हैं लेकिन एलिमिनेशन को लेकर जो खेल चल रहा है उससे दर्शक भी हैरान हैं। शो को शुरू हुए 3 महीने होने वाले है और इस दौरान अब तक सिर्फ चार लोग ही घर से बेघर हुए हैं। उसमें से भी श्रीजिता डे वाइल्ड कार्ड एंट्री के तौर पर फिर से वापस आ गई है और फिर से वापस आने वाली हैं एलिमिनेशन की काली रात जब एक कंटेस्टेंट को सलमान खान शो के बाहर का रास्ता दिखाएंगे बीबी 16 हाउस से एलिमिनेशन से भी बड़ी एक खबर आमने आ रही है। आपके फेवरेट कंटेस्टेंट की इस हफ्ते शो में वापसी होने वाली है। जी हां आपने सही समझा 'छोटे भाईजान' यानी अब्दु एक हफ्ते बात फिर से बिग बॉस 16 में वापस आने वाले हैं। याद दिला दें कि अब्दु पिछले हफ्ते ही शो से बाहर गए थे। बिग बॉस ने बताया था कि अब्दु कोई इंटरनेशनल प्रोजेक्ट मिला है जिसके करने के लिए वो बाहर जा रहे हैं। हालांकि ये घरवालों का फैसला होगा कि वो एक गेस्ट के तौर पर वापस आते हैं या कंटेस्टेंट के रूप में अब बात करते हैं एलिमिनेशन की कि इस हफ्ते घर से बेघर होने के लिए नॉमिनेट हैं टीना दत्ता, श्रीजिता डे और विकास। इस लिस्ट में अंकित गुप्ता का भी नाम शामिल था लेकिन उनकी दोस्त प्रियंका ने 25 लाख के बदले अंकित को नॉमिनेशन से बचा लिया। जिसके बाद घर में काफी हंगामा हुआ था। तो इस हफ्ते भी एलिमिनेशन डाउटफुल है क्योंकि इस सलमान खान का बर्थडे वीक है तो ऐसे में किसी भी कंटेस्टेंट को घर से बाहर कैसे कर सकते हैं। अगर एलिमिनेशन हुआ भी तो वो श्रीजिता हो सकती हैं। एक और बड़ी अपडेट सामने आ रही है कि इस बार सलमान खान के साथ एक्टर मनीष पॉल वीकेंड का वार को को-होस्ट करेंगे। इससे ये तो पता चल ही रहा कि इस बार के एपिसोड काफी जबरदस्त रहने वाला है क्योंकि जेनेलिया और रितेश देशमुख भी घरवालों के साथ मस्ती करते नजर आएंगे। तो सलमान खान एक बार फिर एमसी स्टैन की क्लास लगाएंगे। इस बार फिर शालीन भनोट और स्टैन के बीच जमकर लड़ाई हुई जिसके बाद स्टैन ने उन्हें धमकी भी दी।

डिलीवरी के बाद आखिर क्यों डिप्रेशन में देबिना बनर्जी बोलीं- 'हर मिनट आता है रोना

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस देबिना बनर्जी हाल ही में दूसरी बार मां बनी हैं। दूसरी बार भी देबिना ने एक प्यारी सी बेटी को जन्म दिया है। बेटी के जन्म के बाद से ही भी शिफ्ट किया है। ऐसे में नए घर की शिफ्टिंग और दो छोटी बेटियों को संभालना देबिना के लिए काफी मुश्किल हो रहा है। वहीं दूसरी डिलीवरी के बाद देबिना डिप्रेशन में भी हैं। देबीना ने अपने डिप्रेशन में

देबिना इन दिनों अपने मदरहुड पीरियड एंजॉय कर रही हैं। देबिना की दूसरी बेटी अभी महज डेढ़ महीने की ही है। इन दिनों देबिना की छोटी बेटी की तबीयत थोड़ी खराब है। इस बात को लेकर देबीना और उनके पति गुरमीत चौधरी काफी परेशान हैं। हाल ही में दोनों ने नए घर में होने का दर्द और मदरली लाइफ के स्ट्रगल की बात अपने व्लॉग में बताया है। देबिना बनर्जी ने अपने हालिया व्लॉग में अपने डिप्रेशन को लेकर बड़ा खुलासा किया है। देबिना ने बताया, 'इस वक्त उनकी हालत ठीक नहीं है। हर वक्त उनका बस रोने का मन करता है। कई बार वो खुद को रोक भी नहीं पाती और इमोशनल हो जाती हैं। ये सारी चीजें उन्हें काफी परेशान करती हैं। इसी व्लॉग में देबिना ने अपने डिप्रेशन की बात का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'ये पोस्टपार्टम डिप्रेशन हो सकता है। उन्हें जो चीज जिस तरह से दिखती है वैसा होता नहीं है। सब कुछ उतना भी आसान नहीं है जितना लोगों को नजर आता है। उन्हें हर दिन नए चैलेंज का सामना करना पड़ता है। शायद ये पोस्टपार्टम डिप्रेशन भी हो सकता है, लेकिन मैं इसे लेकर श्योर नहीं हूं। उन्होंने व्लॉग में आगे कहा, 'उनकी छोटी बेटी नीनुड़ी वक्त से पहले ही इस दुनिया में आ गई है। प्रीमैच्योर डिलीवरी की वजह से वो कमजोर है। अभी एक दिन वो अचानक चोक करने लगी और सांस नहीं ले पा रही थी। इसके बाद वो और गुरमीत दोनों बेटी को लेकर तुरंत अस्पताल भागे। जुकाम की वजह से उसकी नाक पूरी तरह से ब्लॉक हो गई थी। उसका ऑक्सीजन लेवल गिरकर 92 हो गया था। किस तरह से उन्होंने बेटी की इस हालत के बाद घर से अस्पताल तक का सफर तय किया ये उन्हें ही पता है। देबिना, गुरमीत से बस यही पूछ रही थी कि वो सांस ले रही है ना।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।